कोटद्वार, बुधवार
29 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 10 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार
www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969
email: nagendra.uniyal@gmail.com

सुप्रीम कोर्ट में वकील बोले- मस्जिद सभी के लिए खुली

इसका मतलब यह नहीं कि वहां पूजा करने लगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। आज सुनवाई का 9वां दिन है। मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। मतलब धार्मिक विश्वास हमेशा संस्थागत नियमों से ऊपर नहीं होगा। अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता। आरती नहीं कर सकता, क्योंकि उस जगह की अपनी धार्मिक मयार्दा है। कुरान बहुत संक्षिप्त है। उसमें हर प्रथा डिटेल में नहीं लिखी। पैगंबर की परंपरा भी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। मतलब सिर्फ किताब में लिखा होना ही ह्यजरूरी अधिकारह्न तय नहीं करता। 23 अप्रैल को पिछली सुनवाई में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा था कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें। सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी।

दूसरे चरण का प्रचार खत्म, 142 सीटों पर वोटिंग आज

ममता के आपत्तिजनक कैरीकेचर पर चुनाव आयोग ने पुलिस से कहा, सख्त एक्शन लें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में 29 अप्रैल यानी आज 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव आयोग ने पुलिस को आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह पोस्ट कथित तौर पर पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी को निशाना बनाकर की गई थी। आपत्तिजनक पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए, TMC ने दावा किया था कि UP के BJP समर्थक ने सोशल मीडिया पर ममता बनर्जी का एक अपमानजनक, अश्लील और अत्यधिक आपत्तिजनक कैरिकेचर बनाया था। पार्टी ने कहा कि औपचारिक शिकायत के बाद इस पोस्ट को हटा दिया गया था। दूसरे चरण की वोटिंग के लिए प्रचार सोमवार शाम को खत्म हो गया। बुधवार को होने वाला मतदान चुनाव की दिशा और सत्ता का रास्ता तय करेगा। ममता बनर्जी ने प्रचार के आखिरी घंटों में दक्षिण कोलकाता में रोड शो किया। सुकांत सेतु से गोपालनगर क्रॉसिंग तक समर्थकों की भीड़ के बीच 6 किमी लंबे रोड शो में ममता पैदल चलीं। इधर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेहाला में एक जनसभा में कहा कि बंगाल में

विधानसभा चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल कम से कम सात दिन तक तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा, 29 अप्रैल को मतदान करें, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। भले ही भाजपा सत्ता में आए, केंद्रीय बल यहां सात दिन तक बने रहेंगे। उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के आवास के बाहर गोलीबारी में एक सीआईएसएफ जवान घायल हो गया। मामले में एक पार्षद सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। उधर, हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के परिसर से आठ क्रूड बम बरामद किए गए। दूसरे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है। बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी। इस बार 30 करोड़ रु. नकद, 126.85 करोड़ की 48,000 लीटर शराब, 110.12 करोड़ के ड्रग्स और 58.28 करोड़ का सोना-चांदी शामिल है। हुगली के गोघाट में तृणमूल सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर पत्थरों से हमला हुआ। इसमें कांच लगने से वह घायल हो गईं। मिताली बाग ने भाजपा कार्यकताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने इसे सहानुभूति बटोरने के लिए किया गया नाटक करार दिया है। मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसमें दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर "उपद्रवियों" के खिलाफ कार्रवाई के अपने पहले के आदेश का चुनाव आयोग पालन नहीं कर रहा है।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

काबुल/इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

पीएम मोदी ने सिक्किम में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली

सोशल मीडिया पर कहा- एनर्जी से भर गया, राज्य के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

गंगटोक (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 2 दिन के सिक्किम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार सुबह गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली। पीएम ने सोशल मीडिया पर फुटबॉल खेलते हुए तस्वीरें शेयर की। पीएम ने पर लिखा, ह्यइन बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया। मोदी राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके अलावा उन्होंने 4000 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब देश में राजनीतिक स्वार्थ के चलते भाषावाद, प्रांतवाद, ऊंच-नीच और भेदभाव की लगातार कोशिश हो रही है। तब आज सिक्किम ने ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न का दर्शन करा दिए। पीएम ने कहा- सिक्किम और नार्थईस्ट हमारे लिए सिर्फ देश का एक अहम हिस्सा ही नहीं है,

बल्कि भारत की अष्टलक्ष्मी है। इसलिए हम एक्ट ईस्ट की पॉलिसी पर तो काम कर रहे हैं, साथ ही हमने नार्थईस्ट के लिए एक्ट फास्ट का संकल्प भी लिया है। कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा सिक्किम के विकास को पीछे धकेला। केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद विकास को फिर से गति मिली है। पहली बार सिक्किम तक रेल पहुंचने जा रही है। यहां आते ही एक नई अनुभूति होती है, माहौल मन को खुशियों से भर गया। पूरब का स्वर्ग सिक्किम, ऑर्किड्स का गार्डन सिक्किम। सिक्किम के लोगों से मिलना मुझे हमेशा एक अलग सुकून देता है। 1947: भारत की आजादी के समय नेहरू चाहते थे कि जैसे भूटान के साथ भारत ने मित्रता की संधि की है, वैसे ही सिक्किम के साथ भी हो जाए। 1950 में भारत-सिक्किम शांति समझौता हुआ। इसके तहत सिक्किम भारत का प्रोटेक्टर स्टेट यानी संरक्षित राज्य बना। अब सिक्किम की सुरक्षा और विदेश नीति की जिम्मेदारी भारत की थी। 1967:1 अक्टूबर, 1967 को चीनी सेना ने नाथू-ला के रास्ते सिक्किम में घुसपैठ की कोशिश की।

भारतीय आर्मी इस हमले को रोकने में सफल रही, लेकिन भारत को समझ आ गया था कि उत्तर पूर्वी भारत में घुसने के लिए चीन, सिक्किम के रूट पर नजर गड़ाए बैठा है। सिक्किम के राजा चोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल सिक्किम को भूटान जैसा दर्जा देने की मांग करने लगे। 1973: इंदिरा गांधी सिक्किम की समस्या का हल चाहती थीं। उन्होंने खुफिया एजेंसी रॉ के चीफ आरएन काव से मदद मांगी। इसके बाद काव ने 1973 में सिक्किम में ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन का नाम था- 'जनमत' और ट्विलाइट। 1974: विधाससभा चुनाव के बदा काजी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने विधानसभा में द गवर्नमेंट ऑफ सिक्किम एक्ट, 1974 पास कराया, जिससे सिक्किम को भारत के एसोसिएट स्टेट का दर्जा मिला। 25 जून 1974 को चोग्याल सिक्किम का भारत से अलग राज्य का दर्जा बनाए रखने की बात करने भारत आए, लेकिन इस बातचीत से स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिल्ली के चार स्कूलों को बम की धमकी

एक आर्मी तो एक सीआरपीएफ का स्कूल भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सोमवार को चार स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इन धमकियों से स्कूलों में दहशत फैल गई। हालांकि, बाद में दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने इसे फर्जी बताया। अधिकारी के अनुसार, अलर्ट मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। स्थानीय पुलिस और स्कूल अधिकारियों के साथ मिलकर तलाशी और निकासी अभियान चलाया गया। टीमों ने परिसरों की गहन जांच की। किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सभी धमकियों को फर्जी घोषित कर दिया गया है। जिन स्कूलों को बम की धमकी मिली, उनमें धौला कुआं, दिल्ली कैंट और शंकर विहार स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल शामिल हैं। इनके अलावा द्वारका सेक्टर 14 स्थित सीआरपीएफ स्कूल भी शामिल था। अधिकारियों ने बताया कि मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। इस दौरान छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एहतियात के तौर पर तलाशी के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। पुलिस और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारियों ने आगे कहा कि ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा, मुंबई में गार्ड्स पर हमला

मुंबई (एजेंसी)। मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में

घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ATS ने उसके घर से ISIS से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था। घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

पंजाब- रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट करने वाले 4 आतंकी गिरफ्तार

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में पटियाला के राजपुरा में अंबाला-अमृतसर रेल फ्रेट कॉरिडोर में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी क्रक और खालिस्तानी आतंकियों ने कराया था। यह दावा पटियाला पुलिस ने 4 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद किया।

पटियाला रेंज के DIG कुलदीप चहल ने बताया कि धमाके के बाद कार्रवाई करते हुए प्रदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह बंगा, सतनाम सिंह सत्ता और गुरप्रीत सिंह गोपी को गिरफ्तार किया है। इनसे एक बम, 2 पिस्टल, जिंदा कारतूस और IED बरामद हुआ। DIG ने बताया कि शुरूआती पूछताछ में पता चला कि ये माड्यूल सीधे पर क्रक और मलेशिया में बैठे खालिस्तानी कट्टरपंथी संगठनों के टच में था। इनका मकसद पंजाब में आतंकी वारदात कर शांति भंग कर दहशत पैदा करनी थी। रेलवे का कामकाज डिस्टर्ब करने के मकसद से उन्होंने रेल ट्रैक पर हमला किया। उन्होंने बताया कि यह पूरा मॉड्यूल पाकिस्तान से चल रहा था। इसी बीच खालिस्तान टाइगर फोर्स (KTF) ने धमाके की जिम्मेदारी ली है। 27 अप्रैल की रात करीब साढ़े 8 बजे यह ब्लास्ट चलती मालगाड़ी के नीचे किया गया था।

ईरान बोला: डोनाल्ड ट्रम्प का दबाव नहीं सहेंगे

अमेरिका अब दूसरे देशों पर फैसले थोपने की स्थिति में नहीं

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने मंगलवार को कहा कि अब अमेरिका उस स्थिति में नहीं है कि वह दूसरे देशों को बताए कि उन्हें क्या करना चाहिए। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रेजा तलाएई-निक ने सरकारी टीवी से कहा कि वे ट्रम्प का दबाव नहीं सहन करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपनी गलत मांगों को छोड़ना ही होगा।यह बयान उस समय आया है जब अमेरिका, होर्मुज को खोलने से जुड़े ईरान के नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच फिलहाल युद्धविराम लागू है, लेकिन इस संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के लिए जो बातचीत चल रही है, उसमें अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। इस बीच ईरान पहली बार होर्मुज खोलने को तैयार हो गया है। ईरान ने अमेरिका से समुद्री नाकेबंदी हटाने की भी अपील की है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने तीन ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि ट्रम्प इस प्रस्ताव को मानने को तैयार नहीं हैं। CNN के मुताबिक ट्रम्प सरकार का मानना है कि अगर बिना परमाणु कार्यक्रम का मामला सुलझाए बिना होर्मुज खोला, तो बातचीत में अमेरिकी पक्ष कमजोर हो जाएगा। इसलिए दोनों का हल एक साथ ही निकाला जाना

चाहिए। ट्रम्प ने दो दिन में दूसरी बार ईरान का प्रस्ताव ठुकराया है। दरअसल, पिछले कई हफ्तों से ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान के जरिए प्रस्तावों का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम मुद्दों पर अब तक सहमति नहीं बन सकी है। अमेरिका की मांग थी कि ईरान 20 साल तक अपना परमाणु कार्यक्रम रोक दे और अपने पास मौजूद 440 किलो समृद्ध यूरेनियम सौंप दे। ईरान ने इन मांगों को बहुत ज्यादा और अनुचित बताते हुए मानने से इनकार कर दिया था। ईरान ने 26 अप्रैल को यह प्रस्ताव दिया था, जिसे ट्रम्प ने ठुकरा दिया था। इसके बाद ईरान ने अपनी रणनीति बदलते हुए कहा कि अभी कठिन मुद्दों को अलग रखा जाए। पहले युद्ध खत्म करने से जुड़े कदम उठाए जाएं, जैसे होर्मुज को खोलना और नाकेबंदी हटाना, और बाद में परमाणु कार्यक्रम जैसे जटिल मुद्दों पर बातचीत की जाए, जिसे 27 अप्रैल को एक बार फिर से ट्रम्प ने ठुकरा दिया। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के 12 से ज्यादा गांवों के लोगों को तुरंत घर खाली करने का आदेश दिया है। सेना ने कहा कि यह कदम लोगों की सुरक्षा के लिए उठाया गया है, क्योंकि हिजबुल्लाह ने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है। इजराइल डिफेंस फोर्स के अरबी प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी संदेश में लोगों से कहा कि वे तुरंत प्रभावित गांवों को खाली करें और उत्तर दिशा की ओर चले जाएं। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के लड़ाके, उसके ठिकाने और सैन्य उपकरणों के आसपास मौजूद लोग अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। इजराइली सेना ने कहा कि सुरक्षा कारणों से यह चेतावनी जारी की गई है। हालांकि इजराइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच हमले लगातार जारी हैं।

गुजरात निकाय चुनाव: सभी 15 नगर निगमों में बीजेपी जीती

बीजेपी कार्यकताओं का जश्न] अहमदाबाद में पुलिस-भाजपा कार्यकताओं में झड़प, जडेजा की बहन राजकोट से हारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में मंगलवार को स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत दर्ज की है। इनमें मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड और वापी ऐसे नगर निगम है, जहां पहली बार चुनाव हुए थे। मेहसाणा, मोरबी और नडियाद में कांग्रेस को अब तक एक भी सीट नहीं मिली है। अहमदाबाद में गिनती के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। वहीं, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा कांग्रेस की टिकट पर राजकोट से हार गई हैं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों

में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, AAP 4 सीटों पर सिमट गई है। AAP ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है। इधर, भुज नगर पालिका में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM के 3 उम्मीदवारों को जीत मिली है। चूड़ियां बेचने वाली संशीबेन कांगशिया बहुचराजी नगरपालिका के वार्ड-4 से पार्षद बनीं। भरुच के पालेज तालुका पंचायत सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को सिर्फ 1 वोट से जीत मिली। भेसन सीट पर बीजेपी के पूर्व विधायक भूपतभाई भयानी की हार हुई, आम आदमी पार्टी के दिनेश रूपारेलिया ने 1700 वोटों से हराया। जामनगर नगर निगम वार्ड-12 में अअढ के असलम खिलजी और कांग्रेस के अल्ताफ खफी जेल में रहते हुए चुनाव जीते, दोनों पर गुजरात अधिनियम के तहत केस दर्ज है। राज्य के 15 नगर निगम, 84 नगरपालिका, 34 जिला पंचायत और 260 तालुका पंचायत के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। इनमें 4 करोड़ 18 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले थे। 15 नगर निगमों में 55.1% मतदान हुआ। नगरपालिकाओं में 65.53%, जिला पंचायतों में 66.64% और तालुका पंचायतों में 67.26% वोटिंग दर्ज की गई थी। 2021 के स्थानीय चुनाव में BJP ने शानदार जीत हासिल की थी। पार्टी नगरपालिकाओं की 8,470 सीट में से 6,236 सीट जीती थीं। इखढ ने तब सभी छह नगर निगमों के अलावा 81 नगरपालिकाओं, 32 जिला पंचायतों और 231 तालुका पंचायतों पर अपना दबदबा बनाए रखा था। अहमदाबाद में ओवैसी की पार्टी AIMIM के 7 पार्षद चुने गए थे।

चारधाम यात्रा आर्थिकी का आधार, नकारात्मक माहौल न बनाएं : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान कहा कि इस समय हमारे प्रदेश में चारधाम यात्रा चल रही है, लेकिन कुछ लोग रील बनाकर इसे राजनीति की भेंट चढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे लोगों से कहा कि वो सरकार का विरोध कर सकते हैं, बीकेटीसी का भी विरोध हो सकता है, लेकिन हमारी पवित्र चारधाम यात्रा का विरोध न करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ धाम तो महादेव का स्थल है, सरकार यात्रा को हर तरह से सकुशल सम्पन्न कराने का प्रयास कर रही है। कहा कि चारधाम यात्रा हमारी सामुहिक आस्था की कठिन यात्रा है। ये यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी के लिए भी लाइफलाइन का काम करती है। इसलिए नकारात्मक बातों से चारधाम यात्रा का विरोध न करें, बल्कि यात्रा और यात्रियों को प्रोत्साहन प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने गैस को लेकर उठाए गए प्रश्न पर स्पष्ट किया प्रदेश में गैस किल्लल नहीं है, इस बारे में उनकी एक दिन पहले ही केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री से मुलाकात हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस

समय पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। से युद्ध मात्र भारत की चुनौती नहीं है बल्कि पूरी दुनिया इससे प्रभावित है। लेकिन हमारे पास प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व है। जिनके नेतृत्व में दुनिया पर छाए युद्ध के बादल के बीच भारत में उत्सव मनाए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कोरोना के समय भी दुनिया ने भारत को लेकर ऐसी ही आशंका व्यक्त की थी कि भारत इस महामारी से नहीं संभल पाएगा। लेकिन बाद में भारत ने ना सिर्फ महामारी पर सबसे पहले अंकुश प्राप्त किया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भिजवाकर उन्हें भी इस संकट से बाहर निकालने का काम किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम युगांतकारी कदम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नारी शक्ति के सामर्थ्य को समझते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आए थे। इस ऐतिहासिक अधिनियम के अंतर्गत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। ये इन सदनों में केवल मातृशक्ति की संख्या बढ़ाने का प्रयास भर नहीं था, बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक युगांतकारी कदम था। प्रधानमंत्री ने इस विराट संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए समस्त देशवासियों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों से भी सहयोग और समर्थन का आह्वान किया था। इसी कड़ी में अगले लोकसभा चुनावों तक देश की आधी आबादी को उनका पूरा अधिकार दिलाने के उद्देश्य से 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस ऐतिहासिक संकल्प को साकार करने की दिशा में निर्णायक प्रयास किया। परंतु विपक्षी दलों ने मिलकर इस ऐतिहासिक और युग परिवर्तनकारी पहल को संसद में पारित नहीं होने दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लोकसभा में संख्या बल के कारण जब बिल पारित नहीं हो पाया तो, विपक्षी दल के नेता तालियां बजा रहे थे। उस दृश्य को देखकर महाभारत की वो सभा याद आ गई, जिसमें द्रौपदी का अपमान किया गया था।

विपक्ष कर रहा भ्रम फैलाने का प्रयास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विपक्ष अब महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। जबकि लोकसभा में ही गृहमंत्री अमित शाह ने साफ कर किया था कि परिसीमन के माध्यम से किसी भी राज्य की सीटों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा, इसीलिए सीटें बढ़ाने का प्राविधान बिल में रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने के बारे में कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पर जब पहली बार किसी ने सच्चे मन से महिलाओं के हित में कार्य करने का प्रयास किया तो उसे भी नहीं करने दिया। जबकि प्रधानमंत्री लोकसभा में ये स्पष्ट कह चुके थे की यदि ये बिल पास हो जाएगा तो इसका पूरा श्रेय वो विपक्ष को देने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब देश की मातृशक्ति पूरी तरह से समझ चुकी है कि कौन उनके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है।

परिसीमन के बाद उत्तराखंड को मिलता फायदा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुछ लोग उत्तराखंड में भी महिला आरक्षण पर वही झूठ और भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिसीमन के बाद उत्तराखंड विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 105 हो सकती थी, जिसमें से 35 महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती थी। इसी तरह सांसदों कि संख्या भी 5 से बढ़कर 7 या 8 हो जाती, इससे हर किसी का फायदा ही था, फिर भी विपक्ष ने बिल पास नहीं होने दिया।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

रुद्रपुर। यूपी सीमा से लगे गांव वनगवां में मंगलवार सुबह एक युवक का शव यूकेलिप्टस के पेड़ से फंदे पर लटका मिला। मृतक अपने माता–पिता का इकलौता पुत्र था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम वनगवां निवासी 23 वर्षीय हीरा सिंह पुत्र जोगिंदर सिंह का शव मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे घर से लगभग 100 मीटर दूर खेत में खड़े यूकेलिप्टस के पेड़ से फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों ने शव देख तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने शव को नीचे उतार लिया था। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए। परिजनों के अनुसार, हीरा सिंह सोमवार रात भोजन के बाद किसी से मिलने की बात कहकर घर से निकला था। रात करीब 11 बजे उसने पिता के फोन पर कॉल कर मां से बात करने की इच्छा जताई, लेकिन पिता ने कॉल काट दिया और फोन फ्लाइट मोड पर डालकर सो गए। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पिता मौके पर पहुंचे और पुत्र का शव देख बदहवास हो गए। उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है। मृतक अपने पीछे मां छमिदर कौर और बहनें ज्योति कौर व सुमन कौर को रोता–बिलखता छोड़ गया है। सत्रहमील चौकी प्रभारी एसआई ललित सिंह बिष्ट ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

नानकसागर डैम में फिसलकर रोडवेज चालक की डूबने से मौत

रुद्रपुर। नानकसागर डैम में मंगलवार को पैर फिसलने से रोडवेज बस चालक की डूबकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मंगलवार सुबह भुड़िया लाइन बग्घा–54 निवासी 54 वर्षीय मनोहर सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रोडवेज बस को टनकपुर में खड़ी कर काशीपुर अपने बच्चों से मिलने जा रहे थे। रास्ते में वह नानकसागर डैम पर बस से उतरकर हाथ–पैर धोने के लिए किनारे चले गए। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह डैम में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर नानकसागर चौकी इंचार्ज राजेंद्र पंत मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाकर उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर निशिकांत ने बताया कि फेफड़ों में पानी भरने से मौत हुई है। मनोहर सिंह 15 वर्षों से रोडवेज में संविदा चालक के रूप में कार्यरत थे। उनके परिवार में पत्नी दीपा, चार विवाहित बेटियां और नौ वर्षीय पुत्र योगी है। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

जनगणना की ड्यूटी को लेकर गणना कर्मचारी परेशान

हल्द्वानी। जनगणना कार्य में लगे कर्मचारी ड्यूटी को लेकर काफी परेशान हैं। कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि विकल्प मांगे जाने के बावजूद उनकी दुर्गम स्थानों में ड्यूटी दी गई है। जबकि पहुंच वाले कर्मियों को सुविधानजक स्थानों पर ड्यूटी दी गई है। दुर्गम क्षेत्र में काम करने वाले कई कर्मचारियों ने शहर में ड्यूटी लगवा ली है। कई कर्मचारी अपनी ड्यूटी सही स्थान पर लगवाने के लिए नगर निगम दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं।ड्यूटी को लेकर आ रही शिकायतों के तहत दुर्गम ब्लॉकों में कार्य करने वाले कुछ कर्मियों ने पहुंच के चलते हल्द्वानी शहर में जनगणना ड्यूटी लगवा ली है। वह दो माह तक शहर में रहकर अपने घर के पास ही जनगणना का कार्य करेंगे। निगम दफ्तर पहुंचे एक कार्मिक के परिजन राजेन्द्र सिंह ने बताया कि ड्यूटी को लेकर कर्मचारियों की ओर से दिए गए विकल्प पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जिसके चलते कुछ कर्मचारी दूर–दराज के स्थानों पर ड्यूटी करने को मजबूर हैं। एडीएम विवेक राय ने बताया कि जनगणना ड्यूटी मानकों के तहत लगाई गई है। कार्मिकों द्वारा दिए विकल्पों पर भी ध्यान दिया गया है। ड्यूटी कटवाने को लेकर मेडिकल बोर्ड बनाया गया है। बोर्ड की रिपोर्ट के बाद ही ड्यूटी हटाई जा रही है।गणना कार्मिकों को दें जरूरी सूचनाएंः कमिश्नरहल्द्वानी(आरएनएस)। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत ने बताया कि भारत की जनगणना 2027 के तहत मकानों की गणना का कार्य शुरू हो गया है। गणना टीम व संगणक घर–घर जाकर भवन गणना का कार्य कर रहे हैं।

गेहूं की फसल की मढ़ाई के दौरान चले लाठी–डंडे, वीडियो वायरल

काशीपुर। ग्राम राजपुर में कुछ लोगों का एक परिवार के लोगों को लाठी–डंडों से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दे दी है।गांव विक्रमपुर (राजपुर) निवासी भोपाल सिंह पुत्र गिरधारी सिंह की करीब पांच बीघा जमीन गांव के पास है। इसमें उसका घर भी बना हुआ है। आरोप है कि पड़ोसियों ने उसकी जमीन का रास्ता बंद कर रखा है। इससे उसे अपने खेत की जुताई कार्य कराने में दिक्कत होती है। भोपाल सिंह ने मामले में बीते 13 अप्रैल को एसडीएम को पत्र देकर गेहूं की फसल की मढ़ाई के लिए रास्ता दिलाने की मांग की थी। एसडीएम ने राजस्व कर्मियों को मौके पर भेजकर भोपाल सिंह के खेत की मढ़ाई कराई। आरोप है कि फसल की मढ़ाई के बाद विपक्षी मौके पर लाठी–डंडे लेकर पहुंच गए।

प्रशासन का दावा, सोशल मीडिया पर वायरल भ्रामक वीडियो तीन वर्ष से अधिक पुराना

प्रशासन का सख्त संदेश तथ्यों की पुष्टि करें, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2026 के सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को त्वरित एवं सुगम सेवाएं मिल रही हैं तथा यात्रा निर्बाध रूप से संचालित हो रही है।

इसी क्रम में जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यात्रा से संबंधित भ्रामक, अपुष्ट एवं तथ्यहीन सूचनाएं प्रसारित की जा रही हैं। विशेष रूप से एक वायरल वीडियो, जिसमें एक घोड़े-खच्चर को दर्शाते हुए यात्रा मार्ग पर अस्वस्थ पशुओं के संचालन की

स्थिति को लेकर भ्रामक जानकारी साझा की जा रही है, आमजन एवं श्रद्धालुओं को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में सेक्टर अधिकारी भीमबली, सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड, पशुचिकित्सा अधिकारी लिनचोली एवं गौरीकुंड द्वारा संयुक्त रूप से विगत पूरे दिन गौरीकुंड से भीमबली एवं लिनचोली तक अभियान चलाकर वीडियो में दर्शाए गए घोड़े की खोजबीन की गई। हालांकि विस्तृत तलाश के बावजूद उक्त पशु कहीं भी नहीं पाया गया। प्रकरण की गहन जांच के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत द्वारा वीडियो में दिख रहे घोड़े के टैग नंबर के आधार पर सत्यापन किया गया, जिसमें यह तथ्य सामने आया कि संबंधित पशु विगत तीन वर्षों से यात्रा हेतु पंजीकृत नहीं हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि वायरल वीडियो वर्तमान यात्रा का नहीं है। जिसे भ्रामक रूप से प्रसारित किया जा रहा है। जिला प्रशासन इस प्रकार की भ्रामक एवं असत्य सूचनाओं का स्पष्ट रूप से खंडन करता है। यह पोस्ट पूरी तरह फर्जी है और इसका वर्तमान यात्रा से कोई संबंध नहीं है।

पुलिस ने पकड़ा 2.59 लाख का गांजा, युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सल्ट थाना पुलिस और एसओजी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 10.380 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 2.59 लाख रुपये आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देशन में 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' मिशन के तहत नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को थानाध्यक्ष सल्ट कश्मीर सिंह और एसओजी प्रभारी सुनील धानिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान चलाया। कठपतिया तिराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल संख्या यूके19–बी–3163 को रोका। तलाशी लेने पर सवार युवक रवि धौलाखण्डी(30), निवासी ग्राम खलटा, पोस्ट मडुली, तहसील भिकियासैंण के कब्जे से 10.380 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

सीएम धामी के नेतृत्व में महिला आक्रोश मशाल यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

– गांधी पार्क से घण्टाघर तक नारी शक्ति का प्रचंड प्रदर्शन

– महिला आरक्षण बिल गिरने पर सड़कों पर उतरी मातृशक्ति

देहरादून। देहरादून में आज गांधी पार्क से घण्टाघर तक मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आयोजित महिला आक्रोश मशाल यात्रा ने प्रदेश में एक नया संदेश दिया। इस विशाल आयोजन में महिला आरक्षण बिल गिरने के विरोध में हजारों की संख्या में माताएं, बहनें और बेटियां शामिल हुईं, जिसने स्पष्ट कर दिया कि अब नारी शक्ति अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग और मुखर हो चुकी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह मशाल यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि उन ताकतों के खिलाफ जनाक्रोश है जो महिलाओं के अधिकारों में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं।

उन्होंने संकेत दिया कि राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश की नारी अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए एकजुट होकर खड़ी है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय को वर्षों तक

लंबित रखा गया, जबकि हाल के प्रयासों ने इसे आगे बढ़ाने का कार्य किया। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते इस दिशा में बाधाएं उत्पन्न की गईं, जिसे जनता भली–भांति देख रही है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए यह संदेश दिया कि कुछ राजनीतिक दल महिलाओं के अधिकारों को लेकर गंभीर नहीं हैं और उन्होंने हमेशा इसे केवल एक राजनीतिक मुद्दा बनाकर रखा। उन्होंने यह भी संकेत किया कि नई पीढ़ी की महिलाएं अब इन बातों को समझ चुकी हैं और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देंगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज की भारतीय नारी केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली शक्ति बन रही है। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों को उन्होंने परिवर्तनकारी बताया और यह संकेत दिया कि अब नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीन पर दिखाई दे रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी कुछ परंपरागत और परिवारवादी राजनीति करने वाले दलों को असहज कर रही है। इसी कारण वे महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने से कतराते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह विश्वास भी दिलाया कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रगति ही प्रदेश और देश के विकास का आधार है।

इस विशाल मशाल यात्रा के माध्यम से एक मजबूत राजनीतिक संदेश भी उभरा–कि आने वाले समय में महिला शक्ति अपनी एकजुटता के बल पर उन सभी ताकतों को जवाब देगी जो उनके अधिकारों के मार्ग में बाधा बनती हैं।

अंततः यह आयोजन केवल विरोध नहीं, बल्कि एक संकल्प के रूप में सामने आया–एक ऐसा संकल्प, जिसमें नारी शक्ति अपने सम्मान, अधिकार और भागीदारी के लिए निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्रीमती आशा नौटियाल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आई महिलाएं उपस्थिति रही।

केंद्रीय गृह सचिव की प्रस्तावित यात्रा को लेकर रुद्रनाथ ट्रैक रूट की तैयारियां तेज

18 मई को खुलेंगे रुद्रनाथ जी के कपाट, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तैयारियां तेज

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : अगले माह प्रस्तावित केंद्रीय गृह सचिव की रुद्रनाथ यात्रा एवं श्री रुद्रनाथ जी यात्रा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं एवं केंद्रीय गृह सचिव भ्रमण के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर पेयजल, शौचालय, आवास, बिजली, सुरक्षा रेलिंग तथा बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां रेलिंग लगाई जाए और यात्रियों के विश्राम के लिए उपयुक्त स्थान विकसित किए जाएं। उन्होंने

मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाओं का पूर्व में ही स्थलीय निरीक्षण कर लिया जाए। वन विभाग को भी यात्रा मार्ग पर आवश्यक व्यवस्थाएं करने को कहा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ रखने, पेयजल निगम को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, उरेड़ा को विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा ईडीसी और मंदिर समिति को अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। बैठक में मंदिर समिति के सदस्यों ने और ईडीसी कमेटी गंगोल गांव के अध्यक्ष राम सिंह राणा ने भी यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव साझा किए, जिन पर सकारात्मक रूप से विचार किया गया। गौरतलब है कि 18 मई 2026 को श्री रुद्रनाथ जी के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे।

बेरोजगार संघ का विधानसभा कूच, अध्यक्ष से मांगा इस्तीफा

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ ने मंगलवार को विभिन्न मांगों को लेकर विधानसभा कूच किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रिस्पना से पहले रोका। इससे खफा प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ नोकझोंक भी हुई। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल ने आरोप लगाया कि विधानसभा में एक अधिकारी की तैनाती फर्जी दस्तावेजों के आधार पर की गई है। दावा है कि इस संबंध में पुख्ता साक्ष्य विधानसभा सचिव को सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष यदि दोषी को पद से नहीं हटा पा रही हैं, तो उन्हें नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। आरोप है कि ऐसी नियुक्तियों से प्रदेश के योग्य अफसरों का हक मारा जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने उत्तराखंड पुलिस भर्ती की वेटिंग लिस्ट तत्काल जारी करने और यूकेएसएसएससी का नया परीक्षा कैलेंडर घोषित करने की भी पुरजोर मांग की। साथ ही, उत्तराखंड लेक्चरर परीक्षा की तिथि बदलने का मुद्दा भी गरमाया। अभ्यर्थियों का कहना है कि यूपी पीजीटी और यूकेपीएससी की परीक्षाएं एक ही दिन होने से वे परीक्षा देने से वंचित रह जाएंगे। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

जल्द बहाली और समान कार्य समान वेतन की उठाई मांग

देहरादून। वोकेशनल ट्रेनर एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर विधानसभा कूच किया गया। इस दौरान व्यवसायिक प्रशिक्षकों को उनके मूल स्थान पर वापस बहाल करने, सम्मानजनक वेतन देने, हर साल वेतन में दस प्रतिशत बढ़ोतरी करने, स्थायी नीति बनाने के साथ साठ वर्ष की आयु तक नोकरी की सुरक्षा प्रदान करने समेत अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर अध्यक्ष तुषार पांडे में कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करेंगे। इस दौरान सदस्य भूपेंद्र सेमवाल, सुमित सेमवाल, संजय सिंह, आयुष मिंगवाल, इंद्रेश सिंह, राघवेन्द्र कुमार, मिथलेश उनियाल आदि मौजूद रहे।

सेना के भावी अफसरों ने जाना वन प्रबंधन

देहरादून। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून द्वारा बीते सोमवार को भारतीय सैन्य अकादमी के ऑफिसर कैडेट्स के लिए एक्सपोज़र विज़िट का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य वन एवं पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में इंटर–इंस्टीट्यूशनल लर्निंग और जागरूकता को बढ़ावा देने तथा वन विभाग और भारतीय सेना के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लद्दाख के अनुभवी भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं मुख्य रिसोर्स पर्सन जिग्मेट टकपा, आईएफएस (1990 बैच) द्वारा प्रस्तुत मुख्य भाषण एवं पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन रहा, जिसमें उन्होंने फॉरेस्ट गवर्नेंस और सैन्य क्षेत्रों में वन प्रबंधन की जटिलताओं पर विस्तार से चर्चा की। आईएमए के मेंटर एवं इंस्ट्रक्टर मेजर सुमित सौरव के नेतृत्व में यूनिफॉर्म में सुसज्जित 400 से अधिक ऑफिसर कैडेट्स एवं प्लाटून कमांडरों की टीम आईजीएनएफए के हरि सिंह ऑडिटोरियम में एकत्रित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईजीएनएफए के सीनियर कंसल्टेंट एस. आर. रेड्डी के स्वागत संबोधन से हुआ, जिसके पश्चात अकादमी के अपर निदेशक राज कुमार बाजपेयी, आईएफएस द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया।

वर्षवार नर्सिंग भर्तीः आमरण अनशन के 10वें दिन भी सरकार मौन

देहरादून। वर्षवार नर्सिंग भर्ती की मांग को लेकर नर्सिंग एकता मंच का आंदोलन 145वें दिन भी जारी रहा। आमरण अनशन के 10वें दिन भी शासन–प्रशासन द्वारा कोई सुध न लिए जाने से बेरोजगार नर्सिंगकर्मियों में भारी आक्रोश है। वर्तमान में तीन नर्सिंगकर्मी आमरण अनशन पर डटे हैं। इनमें टिहरी गढ़वाल की शिरा बंधानी (40) आठवें दिन, उत्तरकाशी के मुकेश रमोला (34) पांचवें दिन और पौड़ी गढ़वाल की प्रीति सिंह (33) पहले दिन से अनशन पर हैं। पिछले आठ दिनों से भूखी–प्यासी शिरा बंधानी का स्वास्थ्य तेजी से गिर रहा है, जो चिंता का विषय है। आंदोलनकारियों का आरोप है कि महिला कर्मियों के अनशन के बावजूद सरकार पूरी तरह संवेदनहीन बनी हुई है।

एक नजर

21 जून को मनाया जाएगा रोटरी क्लब का स्वर्ण जयंती समारोह

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : रोटरी क्लब का स्वर्ण जयंती समारोह 21 जून को मनाया जाएगा। इसको लेकर क्लब के सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा। मंगलवार को रोटरी क्लब कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। क्लब के चेयरमैन डा. योगेंद्र प्रकाश गिलरा ने कहा कि 21 जून को रोटरी क्लब कोटद्वार के 50 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान क्लब की ओर से विदेश भेजे गए 17 लोगों के साथ ही समाजसेवी व पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान कोटद्वार व भाबर क्षेत्र में आमजन को अंगदान, नेत्रदान, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, रक्तदान व स्वच्छता के लिए जागरूक किया जाएगा। पूर्व चेयरमेन वाईपी गिलरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में सह चेयरमैन कमल गुप्ता, अनीत चावला, धनेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, गोपाल बंसल, सुमित अग्रवाल, अमित अग्रवाल, ज्योति स्वरूप, कुलदीप अग्रवाल, विपिन बक्शी, शरत चंद्र गुप्ता, विजय कुमार माहेश्वरी, प्रतिभा गुप्ता, दिनेश रस्तोगी, नरेश गोयल, दिनेश चंद्र, अवधेश अग्रवाल, अनिल कुमार भोला, गुरबचन सिंह, ऋषि ऐरन आदि मौजूद रहे। संचालन सचिव विजय कुमार ने किया।

खाई में गिरी कार, दो घायल

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर तोताघाटी के समीप एक कार अनियंत्रित होकर लगभग पांच सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना में दो दोस्त कार सवार दिल्ली निवासी एक युवक और गुरुग्राम की रहने वाली महिला गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को खाई से निकाला और ऋषिकेश भेजा। दोनों केदारनाथ दर्शन कर लौट रहे थे।

कोतवाल प्रशांत बहुगुणा ने बताया कि मंगलवार सुबह सवा छह बजे सूचना मिली कि सफेद पहाड़ बैंड के पास एक कार खाई में गिरकर गंगा नदी गिरी है। सूचना मिलते ही वह स्वयं, पुलिस चौकी बछेलीखाल की टीम और आपदा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे। कार के पास अनीस (22) निवासी सिंधु विलेज, अलीपुर, दिल्ली घायल अवस्था में मिला। युवक ने बताया कि वह सुहानी (20) निवासी सेक्टर 51 गुरुग्राम, हरियाणा के साथ केदारनाथ दर्शन कर दिल्ली लौट रहे थे। सोमवार रात बारह बजे वह सोनप्रयाग से चले थे। इसके लिए मंगलवार सुबह तोताघाटी के पास उनकी कार अचानक अनियंत्रित हो गई। युवक कार से छिटककर जंगल में ही गिर गया था, जबकि युवती कार में फंस गई और खाई में जा गिरी। एसडीआरएफ टीम के इंचार्ज साहब सिंह ने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ ने तलाशी अभियान चलाकर युवती को खोज निकाला। युवती को गंभीर चोटें आई हैं। दोनों को राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश और फिर एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया गया है। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : भाबर स्थित राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय की गोल्ड मैडलिस्ट अंजली रावत को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ शशिबाला केष्टवाल व भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड के महाप्रबंधक अमरीश त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। प्राचार्य हरीश चंद्र, कार्यक्रम संयोजक अशोक कुमार, विमल कुकरेती ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। युवाओं को नशे से दूर रहने की भी सीख दी गई। कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने हिंदी, गढ़वाली सहित अन्य गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान विश्व विद्यालय स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की छात्रा अंजली को सम्मानित किया गया। साथ ही पढ़ाई व खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रो. अशोक कुमार, डा. गीता रावत, डा. ऊषा सिंह, विमल कुकरेती, डा. गीता रावत शाह, डा. इंदु मलिक, डा. दिवाकर बौद्ध, डा. विनय देवलाल, डा.अनुराग शर्मा, डा. उषा सिंह, डा. कविता अहलावत, डा. अंजू थपलियाल, श्रीमती गीता, डा. दीप्ती मैठाणी, डा. दीपाली रतूडी, डा. आंचल रावत, डा. श्रुति अग्रवाल, भरत सिंह रावत, सुशील पटवाल, जयदीप सिंह नेगी, बलवन्त सिंह रावत, भारत सिंह बिष्ट, किशोर कुमार, आशीष कुमार, शैलेश घनसेला, जयदेव सिंह बिष्ट, आकांक्षा बिष्ट, आशुतोष रावत, सुमन नेगी, संजय कण्डारी, अजय रावत, जितेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

छात्रों को उनके अधिकारों और सुरक्षा की दी जानकारी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। बच्चों को सामाजिक बुराइयों और उनके कानूनी पहलुओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने सेंट जोसेफ स्कूल, कोटी पुरोला में एक प्रभावी जागरूकता शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन सुपरवाइजर विनोद डोभाल ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए कहा कि बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक विकास में बाधा बनता है।

झंडाचौक से सिम्मलचौड़ तक अव्यवस्थाएं, अतिक्रमण से सिमटी सड़क

कोटद्वार में अतिक्रमण के कारण सड़क पर लगा जाम

शिकायत के बाद भी बनी समस्या

झंडाचौक से सिम्मलचौड़ के मध्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय लोग कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों को पत्र दे चुके हैं। लेकिन, अब तक समस्या को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। त्योहार व शादी सीजन में उक्त सड़क पर दबाव अधिक बढ़ जाता है। जिससे सड़क पर घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। मार्ग पर विद्युत पोल को शिफ्ट करने के लिए भी स्थानीय लोग सिस्टम से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, हालात जस के तस हैं।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : यदि आप झंडाचौक से सिम्मलचौड़ की ओर सफर कर रहे हैं, तो समझ लीजिए आपको इस मार्ग पर मंजिल तक पहुंचने में समय लग सकता है। दरअसल, अतिक्रमण के चलते यह मार्ग इस कदर संकरा हो गया है कि यदि मार्ग में कोई भारी वाहन आ गया, तो घंटों जाम में फंसना तय है। दरअसल, जगह-जगह अतिक्रमण व सड़क पर संचालित हो रहे गैराज आपकी चुनौती बढ़ा सकते हैं। यही नहीं मानपुर-सिताबपुर-पदमपुर को जाने वाला यह मार्ग कई स्थानों पर गलियों के आकार का हो गया है। जहां पर एक साथ दो वाहनों का निकलना भी एक चुनौती है। झंडाचौक से मानपुर-सिताबपुर-पदमपुर होते हुए सिम्मलचौड़ चौराहे तक पहुंचने वाला करीब तीन किलोमीटर लंबा यह मार्ग पूरी तरह अव्यवस्थाओं के जद में है। झंडाचौक से मार्ग की ओर आगे बढ़ते ही सबसे पहले स्टैंड के नाम पर बेतरतीब तरीके से खड़े आटो नजर आते हैं। नियमों को ताक पर रख यह आटो चालक बीच सड़क पर ही सवारियां भरने लगते हैं। मार्ग संकरा होने के कारण अन्य वाहन चालकों को आटो के आगे बढ़ने का इंतजार करना पड़ता है। इसी से चार कदम आगे सड़क पर भारी वाहनों की मरम्मत चलती रहती है। मरम्मत न भी हो तो भी मरम्मत के नाम पर भारी वाहन लंबी कतारों में खड़े रहते हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी पैदल चलने वालों को होती है। कुछ दूर पनियाली गदेरे के पुल को पार करते ही सड़क पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहन आसानी से देखे जा सकते हैं। पार्किंग स्थल नहीं होने के कारण लोगों का यहां वाहन खड़ा करना मजबूरी ही बन गई है। इसके बाद पदमपुर चौराहे तक मार्ग पूरी तरह संकरा है। यहां कई स्थानों पर दो वाहन एक साथ भी नहीं निकल सकते। आगे-आगे बढ़ने पर सड़क किनारे खड़े विद्युत पोल चुनौती बन रहे हैं। त्योहार व शादी सीजन में चुनौती और अधिक बढ़ जाती है। पदमपुर से सिम्मलचौड़ तक अतिक्रमण व अवैध पार्किंग आमजन की मुश्किलें बढ़ती है।

ट्यूबवैल खराब, पानी को तरस रहे वार्डवासी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही शहर में पेयजल किल्लत होने लगी है। डिग्री कालेज के निकट स्थित ट्यूबवैल की मोटर फूंकने से लोअर कालाबड़ सहित आसपास के क्षेत्र में पेयजल समस्या बनी हुई है। हालांकि, जल संस्थान टैंकरों से पानी की सप्लाई करवा रहा है। लेकिन, भीषण गर्मी में यह ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है। समस्या को लेकर कालाबड़ क्षेत्र के वार्डवासी बड़ी संख्या में जल संस्थान कार्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। क्षेत्रीय जन ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन भी भेजा। वार्डवासी महेंद्र सिंह रावत, भीम सिंह असवाल, बृजमोहन ममगांई ने कहा कि कालाबड़ क्षेत्र में विगत चार दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप हो रखी है। कहा कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही ट्यूबवैल की मोटर फुंक गई है, जिसके कारण क्षेत्रवासियों को पानी के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कहा कि कई बार पानी की किल्लत की शिकायत विभागीय अधिकारियों से की गई है। लेकिन, विभागीय अधिकारी शिकायत का कोई संज्ञान नहीं ले रहे है। वार्डवासियों ने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारू करवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर हरीश खर्कवाल, वीरेंद्र सजवाण, विनोद सिंह, कुलदीप सिंह, हरदीप सिंह, सुनील, रमेश चौधरी मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन

कोटद्वार में मार्ग निर्माण को लेकर धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने की मांग को लेकर लोगों का आंदोलन मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान लोगों ने जल्द मार्ग निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं होने पर आंदोलन को तेज करने की चेतावनी दी है। लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप एकत्रित होकर धरना दिया। लोगों ने कहा कि 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झड़ी दिखाई थी। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। स्थानीय जनता की सुविधा को देखते हुए मार्ग को एलिवेटेड बनाया जाना चाहिए। जिससे मार्ग पर व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से संचालित हो सकें। कहा कि उक्त मार्ग निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही कण्वाश्रम को भी विश्व पटल पर पहचान मिलेगी। धरना देने वालो में रंजना देवी, पुष्पा देवी, मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

सैंजो और रेनबो स्कूल ने जीती फुटबॉल चैंपियनशिप

श्रीनगर गढ़वाल : अलकनंदा रोटरी क्लब उत्तराखंड की ओर से आयोजित स्व. आयुष नेगी मेमोरियल जूनियर वर्ग एवं स्व. नंददीप मल्ल मेमोरियल सीनियर वर्ग स्कूली फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को फाइनल मुकाबले हुए। जूनियर वर्ग में सैंजो स्कूल किलकिलेश्वर और सीनियर वर्ग में रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास ने चैंपियनशिप जीती।जूनियर वर्ग का फाइनल सेमफोर्ड पब्लिक स्कूल बेलकंडी और सैंजो स्कूल किलकिलेश्वर के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में सैंजो स्कूल ने 3-2 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। जूनियर वर्ग में सैंजो स्कूल के रक्षित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (गोल्डन बूट), सेंट थेरेसास के समरजीत को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और सरस्वती विद्या मंदिर श्रीकोट के अरुण थपलियाल को उभरते खिलाड़ी का पुरस्कार मिला।

बोर्ड परीक्षा के मेधावी छात्र हुए सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्यालय रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल में मंगलवार को परिषदीय बोर्ड परीक्षा 2025-26 के परिणाम घोषित होने के उपरांत विद्यालय में विद्यालय के टॉपर छात्र-छात्राओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विद्यालय के परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी एवं राहुल भाटिया ने बताया कि इस वर्ष परिषदीय बोर्ड परीक्षा 2025-26 में विद्यालय के हाईस्कूल में 65 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा इंटरमीडिएट में 141 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 92.06 प्रतिशत एवं इंटरमीडिएट का परिणाम प्रतिशत 91.48 प्रतिशत रहा। हाईस्कूल स्तर पर छात्र वर्ग में अभिनव नेगी ने 90.6 प्रतिशत एवं छात्रा वर्ग में विभूति गौड़ ने 86.4 प्रतिशत के साथ विद्यालय टॉप किया। इंटरमीडिएट स्तर के मानविकी वर्ग में छात्र रोहित भट्ट ने 92.2 प्रतिशत, विज्ञान वर्ग में छात्र अभिषेक आदर्श ने 88.8 प्रतिशत, कॉमर्स वर्ग में छात्र विपुल सिंह रावत ने 88.8 प्रतिशत विद्यालय टॉप किया। विद्यालय के प्रबंधक कालिका प्रसाद नैथानी एवं उप प्रधानाचार्य अनिल कोटनाला ने सभी विद्यालय टॉपर्स को फूलमाला पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख राकेश चमोली, भूपेंद्र सिंह, शिवराम बडोला, राजन कुमार, मोहन सिंह, सुबोध ध्यानी, संगीता रावत, संगीता कुकशाल, मधुबाला नौटियाल, नंदिनी नैथानी, बिनीता बिष्ट, साक्षी अग्रवाल, प्रेम नेगी, सच्चिदानंद आदि उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. : 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 28..04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/II/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	33-DRM-MB-26-27 Date 28.04.2026	34-DRM-MB-26-27 Date 28.04.2026
कार्य का नाम	Construction of boundary wall in the Rosa - Sitapur section under ADEN-II-HRI	Repair and rectification of deficiencies in LHS constructed during doubling work in RAC-SPC section in jurisdiction of ADEN-II-HRI.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	22.05.2026 16:00	22.05.2026 16:00
अनुमानित लागत	4,46,20,530.82	2,24,49,601.86
धरोहर राशि	8,92,400.00	4,49,000.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	08.05.2026	08.05.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह	09 माह

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1424/26

लैंसडौन का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध, बाजार रहा बंद

रक्षामंत्री को भेजा ज्ञापन, नाम यथावत रखने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्यटक नगरी लैंसडौन का नाम बदलने के प्रस्ताव का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। मंगलवार सुबह से ही सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। व्यापार मंडल, होटल एसोसिएशन, नागरिक मंच ने गांधी चौक से लेकर कैंट बोर्ड कार्यालय तक जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। संगठनों की ओर से गांधी चौक में एक जनसभा का आयोजन भी किया गया, जिसके बाद एसडीएम शालिनी मौर्य के माध्यम से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ज्ञापन भेजकर लैंसडौन का नाम यथावत रखने की मांग की गई।

कैंट बोर्ड की बीती 10 अप्रैल को हुई बैठक में लैंसडौन का नाम जसवंतगढ़ छावनी रखने का प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव के विरोध में लैंसडौन में उबाल आया है।

लैंसडौन का नाम बदलने के प्रस्ताव के विरोध में सड़क पर उतरे लोग

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार सुबह व्यापारी, होटल कारोबारी व नागरिक मंच से जुड़े लोग सड़क पर उतरे। स्थानीय नागरिकों व जन प्रतिनिधियों ने गांधी चौक में जनसभा का आयोजन किया। उन्होंने लैंसडौन के नाम परिवर्तन का पुरजोर विरोध किया। लैंसडौन का नाम देश और दुनिया में विख्यात है। लैंसडौन नाम सामने आते ही एक हिल स्टेशन और पर्यटन नगरी का दृश्य सामने आता है। कहा कि नाम बदलने के बजाय विकास की योजनाओं का धरातल पर उतारने की जरूरत है। प्रदर्शनकारियों ने गांधी चौक से छावनी परिषद कार्यालय तक जुलूस निकालकर अपना विरोध प्रकट किया। सभा स्थल पर आकर एसडीएम शालिनी मौर्य ने प्रदर्शनकारियों का ज्ञापन लिया। कांग्रेस नेता रघुवीर बिष्ट और धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि नाम परिवर्तन से लैंसडौन की विश्वव्यापी पहचान खत्म हो जाएगी। अन्य वक्ताओं में जयहरीखाल की कनिष्ठ प्रमुख पूनम मैंदोला, क्षेत्र पंचायत सदस्य विक्रांत खंतवाल, शशि बिष्ट, अशोक बुड़ाकोटी, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सतीजा, कैंट होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सलीम रहमान, होटल जीएम ग्रुप के संजीव नैनवाल, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष रोशन शाह, सौरभ नेगी, हितेश शर्मा शामिल रहे। विभिन्न संगठनों के लोगों ने छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी हर्षित राज को भी लैंसडौन का नाम यथावत रखने के ज्ञापन सौंपे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या दिनांक	32-DRM-MB-26-27 Dt. 28.04.2026
कार्य का नाम	Improvement of Health unit at LRJ and other misc. allied work under ADEN/RK.
निविदा का प्रकार	Works
निविदा की कीमत	Nil
अनुमानित लागत	1,23,14,407.53
धरोहर राशि	2,46,300.00
टेंडर क्लोसिंग दिनांक/समय	26.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	12.05.2026
आफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months

टेन्डर नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 28.04.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1417/26

गणित विभाग में हुआ पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :डॉ. पी. द. ब. हि. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के गणित विभाग में विभागीय परिषद के अंतर्गत आयोजित पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी द्वारा पुरस्कार वितरित किये गए। विभाग प्रभारी डॉ. तृप्ति दीक्षित ने बताया कि सत्र 2025–26 में गणित विभाग द्वारा विभागीय परिषदीय प्रतियोगी कार्यक्रमों के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता काआयोजन किया गया था। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में विशाल द्विवेदी , अब्दुल रहमान प्रथम द्वितीय अभय सिंह रावत , शेफाली बिष्ट स्थान पर रहे।

तृतीय आरोही सिलमाना , सुहानी नेगी व सांत्वना पुरस्कार शिखा , अपर्णा रावत को पुरस्कृत किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में आकांक्षा जखमोला , दिया कंडारी प्रथम , द्वितीय मीनाक्षी नौगांई , शिखा , तृतीय शौर्य सिंह कंडारी , सुहानी मलासी रहे। प्राचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी और विभाग प्रभारी डॉ. तृप्ति दीक्षित ने संयुक्त रूप से सभी विजेता प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामना दी तथा विभाग द्वारा छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक डॉ. अजय रावत, डॉ. पवन भट्ट एवं कर्मचारी श्री मातवर उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (₹)	कार्यालय का पता जहां से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
02/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा./2026 संशोधितः– एमबी में विभिन्न स्थानों पर स्थापित विभिन्न क्षमताओं वाले वोल्टास ब्रांड के वीआरवी/वीआरएफ प्रकार के एयर कंडीशनिंग सिस्टमों के व्यापक वार्षिक रखरखाव के लिए 3 वर्ष का अनुबंध।	27,08,079.84 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय, मुरादाबाद	54,200/-	36 (छत्तीस) माह	निविदायें दिनांक 19.05.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जाएंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय/मुरादाबाद

सूचना सं. 12/2026 दिनांक 27.04.2026 1411/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शौर्य गौड़ हेड बॉय और अंशिका भारती बनीं हेड गर्ल

श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड़ कोटद्वार में छात्र कैबिनेट सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरू राम राय पब्लिक स्कूल देवी रोड़ पदमपुर कोटद्वार में मंगलवार को शैक्षिक सत्र 2026-27 हेतु एक भव्य छात्र कैबिनेट समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र नेतृत्व को प्रोत्साहित करना और जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवाभाव का विकास करना। इस दौरान हेड गर्ल अंशिका भारती, हेड बॉय शौर्य गौड़, डिसिप्लिन कैप्टन बॉय आरूष और डिसिप्लिन कैप्टन गर्ल सोनाली, कल्चरल कैप्टन बॉय महफूज अहमद और कल्चरल कैप्टन गर्ल वैष्णवी बौंठियाल, स्पोर्ट्स कैप्टन बॉय कार्तिक कण्डारी और स्पोर्ट्स कैप्टन गर्ल दिपांशी सहित विभिन्न सदनों के कैप्टन एवं वाइस कैप्टन को औपचारिक रूप से पदभार सौंपा गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश सिंह ने कहा कि छात्र कैबिनेट विद्यालय की अनुशासन व्यवस्था को मजबूत बनाने, विभिन्न गतिविधियों के संचालन में सहयोग करने और अन्य छात्र-छात्राओं के लिए आदर्श बनने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्हें अनुशासन और आदर्श बनने की प्रेरणा दी। इसके साथ ही उन्होंने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रशासन द्वारा सभी चयनित छात्र प्रतिनिधियों को बैज और सैश प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मौसम की चेतावनी पर विभागों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के तहत गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बढ़ती भीड़ के बीच खराब मौसम की चेतावनी ने प्रशासन और यात्रियों दोनों की चिंताएं बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार और बुधवार के लिए जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। डीएम ने संभावित खराब मौसम को देखते हुए सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। विभाग के अनुसार इस दौरान कई स्थानों पर तेज बारिश, गर्जन के साथ बिजली गिरने, ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 27.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	28-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	29-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	30-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026	31-DRM-MB-26-27 Dt. 27.04.2026
कार्य का नाम	Provision of ramp for existing FOB at Jwalapur on LRJ-DDN section.	Provision of ramp for existing FOB at RAIWALA station on LRJ-DDN section."	Construction of new Running room for Crew and Train Manager at HW.	Provision of High- Level Platforms (PF2) along with ramp for existing FOB at PRI under ADEN HW.
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil	Nil	Nil
अनुमानित लागत	1,01,57,528.06	89,83,432.99	3,06,93,053.83	2,87,71,552.00
धरोहर राशि	2,03,200.00	1,79,700.00	6,13,900.00	5,75,400.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00	21.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	07.05.2026	07.05.2026	07.05.2026	07.05.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1414/26

संपादकीय

जीव—जंतु सब पर भारी तपिश

पर्यावरणीय असंतुलन एवं बदलते मौसम का असर आम जनजीवन से लेकर जीव जंतुओं तक दिखने लगा है। अभी अप्रैल का महीना समाप्त नहीं हुआ है और धूप और गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है तो वहीं सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। यह स्थिति उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में ही नहीं बल्कि अब पहाड़ी क्षेत्रों में भी नजर आने लगे हैं। पहली बार राजधानी देहरादून में ऐसा देखने को मिला की हीट वेव के कारण प्रशासन को समस्त स्कूल एक दिन के लिए बंद करने पड़े जबकि इससे पूर्व भारी बारिश के कारण ही छुट्टी घोषित की जाती थी। पर्यावरण विशेषज्ञ मौसम के इस बदलते स्वरूप के लिए भले ही अलग–अलग विचार रखते हो लेकिन सीधी सी एक बुनियादी बात यह है कि जिस तेज गति से वृक्षों का कटान किया गया है और सड़कों पर वाहनों की भीड़ बड़ी है उसने पूरे पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया है। ग्रीष्म ऋतु का यही मौसम है जिसमें एक खास वर्ग के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसमें सबसे बड़ी संख्या बच्चों एवं बुजुर्गों की है। हालांकि कुछ सावधानियां के साथ दो महीने की इस गर्मी को शिकस्त दी जा सकती है लेकिन उसके लिए स्वास्थ्य संबंधी निर्देशों का पालन करना जरूरी होगा। अभी तो आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि की संभावना है, जिससे विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसे मामलों में बढ़ोतरी की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रबंध तो कर रहा है लेकिन साथ ही आम लोगों से ऐतिहासिक बरतने के लिए भी कहा गया है। हीट वेव और धूप की तपिश से बचने के लिए दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच अनावश्यक रूप से घर में रहना सबसे अच्छा विकल्प है, लेकिन यदि बाहर निकलना ही पड़े तो छाते या कपड़े से चेहरे को सुरक्षित रखना होगा। डिहाईड्रेशन इस मौसम का एक सबसे बड़ा अभिशाप है और इससे बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करना अपने जीवन को सुरक्षित रखने का सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। कुछ विशेष आहार इस गर्मी में राहत प्रदान करते हैं लेकिन उनमें भी ठोक परख कर ही खरीदारी करनी चाहिए। हीट वेव के दौरान चक्कर आना, सिरदर्द, तेज बुखार, उल्टी या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे नजरअंदाज ना करें एवं तुरंत नजदीकी अस्पताल में संपर्क करें, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर स्थिति उत्पन्न कर सकती है। यह चिंताजनक जनक है कि पिछले एक दशक में उत्तराखंड के मौसम में बेहद तेजी से बदलाव देखने को मिले हैं जिसके लिए मानवीय गलतियां एक महत्वपूर्ण घातक साबित हुई है। पर्यावरण को संतुलित करने का सिर्फ और सिर्फ एक ही उपाय है और वह है अधिक से अधिक वृक्षों को लगाना, लेकिन आज विकास और योजनाओं के नाम पर जिस बेदर्दी और अनियोजित तरीके के साथ वृक्षों का कटान किया जा रहा है उसी का परिणाम आज इंसान और जीव जंतु झेल रहे हैं। यदि आज ना संभले तो आने वाले दिन और अधिक चुनौती और तपिश पूर्ण साबित होने वाले हैं।

प्रचंड गर्मी का कहरः लू के थपेड़ों से झुलसता देश, राहत की आस में टकटकी लगाए लोग

कांतिलाल मांडोत

देश के बड़े हिस्से में इस समय भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों तक तापमान लगातार बढ़ रहा है और आम जनजीवन पर इसका गहरा असर पड़ रहा है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हालात ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं, जहां तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है। मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में स्थिति और अधिक विकट होने की संभावना जताई गई है।

बिहार में गर्मी ने अप्रैल के महीने में ही जून जैसी स्थिति पैदा कर दी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि मौसम का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, पटना, अरवल और जहानाबाद जैसे जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। दिन के समय सड़कों पर निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। लोग जरूरी काम के बिना घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं और जो निकल रहे हैं, वे सिर पर गमछा या दुपट्टा लपेटकर ही बाहर जा रहे हैं।

पटना सहित कई शहरों में तापमान 41 डिग्री के पार जा चुका है, जबकि बक्सर में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से काफी अधिक है। रोहतास के डेहरी, गया, शेखपुरा और अरवल जैसे क्षेत्रों में भी तापमान 42 डिग्री के आसपास बना हुआ है। इस तरह की स्थिति न केवल असहज है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह मौसम बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। हालांकि मौसम विभाग ने उत्तर और उत्तर-पूर्वी बिहार के कुछ हिस्सों में थोड़ी राहत की संभावना जताई है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। लेकिन यह राहत सीमित और अस्थायी ही मानी जा रही है, क्योंकि पूरे राज्य में गर्मी का प्रभाव अभी बना रहेगा।

उत्तर प्रदेश में भी हालात कम चिंताजनक नहीं हैं। यहां भी तापमान तेजी से बढ़ रहा है और लू का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है, जहां बांदा जिले का तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। प्रयागराज भी 43.7 डिग्री के साथ पीछे नहीं है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में हीट वेव की चेतावनी जारी की है और कहा है कि 25 अप्रैल तक तापमान में लगातार वृद्धि होती रहेगी। लखनऊ स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 अप्रैल के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे कुछ क्षेत्रों में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन तब तक लोगों को इस प्रचंड गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा।

देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान जैसे राज्यों में भी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है और लू के थपेड़े लोगों को दिन के समय घरों में रहने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा छा जाता है और केवल जरूरी काम से ही लोग बाहर निकलते हैं।

इस बढ़ती गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों पर भी पड़ रहा है। जल स्रोत सूखने लगे हैं और पक्षियों को पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई सामाजिक संगठन और जागरूक नागरिक पक्षियों के लिए पानी के बर्तन रखकर राहत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।

गर्मी के इस प्रकोप ने स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। डॉक्टरों का कहना है कि इस समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। शरीर में पानी की कमी न होने दें, हल्का और ठंडा भोजन करें और तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। जलवायु परिवर्तन भी इस तरह की चरम मौसम स्थितियों का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर साल तापमान में बढ़ोतरी और हीट वेव की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। यह केवल एक मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या का संकेत है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

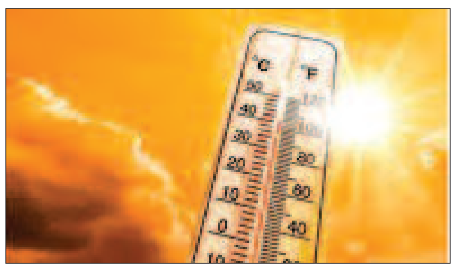

सरकार और प्रशासन भी इस स्थिति से निपटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। कई जगहों पर हीट एक्शन प्लान लागू किया गया है, जिसमें लोगों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे कदम शामिल हैं। लेकिन इस चुनौती का सामना केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जागरूकता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

गर्मी के इस दौर में जीवनशैली में बदलाव भी जरूरी हो गया है। दिनचर्या को इस तरह से ढालना होगा कि शरीर पर गर्मी का असर कम से कम पड़े। सुबह और शाम के समय ही जरूरी काम निपटाने की कोशिश करनी चाहिए और दोपहर के समय घर के अंदर ही रहना बेहतर है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि इस समय देश भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले कुछ दिन और कठिन हो सकते हैं। ऐसे में धैर्य, सावधानी और सतर्कता ही इस संकट से बचने का सबसे बड़ा उपाय है। लोग राहत की उम्मीद में आसमान की ओर देख रहे हैं, जहां बादलों की एक हल्की परत भी उन्हें सुकून दे सकती है। लेकिन तब तक इस तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच खुद को सुरक्षित रखना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

ललित गर्ग

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है।

इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं।

विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे 'आशा बांटें, खुशियां जगाएं' के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं।

निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमेरिका और ईरान अस्थायी युद्ध विराम के दौरान नाजुक संतुलन और भविष्य की अनिश्चितता

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती।

दुनियाँ एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर कदम, हर निर्णय, और हर प्रतिक्रिया वैश्विक शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिकी तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देना सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं,क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन या वास्तव में युद्ध की तैयारी?

वैश्विक स्तरपर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नई कहानी नहीं है,बल्कि यह दशकों से विकसित होता एक जटिल भू-राजनीतिक समीकरण है, जो आज 2026 में एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है। जब यूएसएस जॉर्ज एच.डब्लू.बुश,यूएसएस अब्राहम लिनकोलन और यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड जैसे तीन शक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर स्ट्राइक ग्रुप एक साथ मिडिल ईस्ट में तैनात दिखाई देते हैं, तो यह केवल एक सामान्य सैन्य गतिविधि नहीं मानी जा सकती। यह एक ऐसा संकेत है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या यह केवल शक्ति प्रदर्शन (शो ऑफ फोर्स) है या वास्तव में युद्ध की तैयारी का पूवार्भास। इस पूरे परिदृश्य को समझने के लिए हमें केवल सैन्यगतिविधियों पर ही नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारकों पर भी गहराई से नजर डालनी होगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले यदि हम वर्तमान सैन्य स्थिति को देखें, तो तीनों अमेरिकी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप्स की संयुक्त मौजूदगी अपने आप में एक असाधारण घटना है। आमतौर पर अमेरिका किसी एक क्षेत्र में एक या दो कैरियर तैनात करता है, लेकिन तीन कैरियर का एक साथ होना यह दशार्ता है कि वॉशिंगटन इस क्षेत्र कोअत्यधिक संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मान रहा है। प्रत्येक कैरियर अपने साथ फाइटर जेट्स,मिसाइल सिस्टम, डेस्ट्रॉयर और सबमरीन का पूरा नेटवर्क लेकर चलता है, जिससे यह एक चलते-फिरते सैन्य बेस की तरह काम करता है। इस तरह की तैनाती का सीधा संदेश ईरान को है कि यदि वह किसी भी प्रकार की आक्रामक कार्रवाई करता है, तो उसे तत्काल और व्यापक जवाब का सामना करना पड़ेगा।

साथियों बात अगर हमअमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण संबंधों को समझने की करें तो हाल ही में लागू अस्थायी युद्ध विराम की स्थिति वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 8 अप्रैल 2026 से लागू यह 14-दिन का विराम, जो अमेरिका और ईरान के बीच सीधे सैन्य टकराव को रोकने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था,अब 27अप्रैल 2026 तक एक नाजुक दौर में प्रवेश कर चुका है। इस विराम के पीछे की कूटनीतिक प्रक्रिया अत्यंत जटिल और संवेदनशील रही है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच

गहरी अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका और ईरान दोनों ने इस विराम का पालन करने की प्राथमिकता जताई है, लेकिन साथ ही दोनों ही पक्ष अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए कड़े रुख पर बने हुए हैं। विशेषकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के संकट और अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी जहाज टोस्का की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए अमेरिका पर आरोप लगाया है, जबकि अमेरिका इसे हॉर्मुज जलडमरूमध्य में वैश्विक तेल परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता में चल रही शांति वार्ता भी फिलहाल गतिरोध में है।इस्लामाबाद में आयोजित होने वाली वार्ता में ईरान ने अमेरिका की हालिया कार्रवाइयों को अस्वीकार्य बताते हुए अंतिम निर्णय पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। इस असमंजसपूर्ण स्थिति में, वार्ता न केवल स्थगित हुई है बल्कि इसका भविष्य भी अनिश्चित है। ईरान का तर्क है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी और अमेरिकी जहाजों की जब्ती जैसी घटनाओं को समाधान नहीं मिलता,तो कोई दीर्घकालिक समझौता संभव नहीं है। वहीं, अमेरिका ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने और जल मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कोई समझौता छोड़ने के मूड में नहीं हैं।

साथियों बात अगर हमअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अभी बयान की करें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि अगर ईरान ने अस्थायी युद्ध विराम का उल्लंघन किया या अमेरिकी हितों पर हमला किया, तो अमेरिका कट्टर सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा। इस प्रकार, अमेरिका का दृष्टिकोण इस क्षेत्र में रणनीतिक दबाव बनाए रखने और ईरान को समझौते के लिए बाध्य करने का रहा है।हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संकट, जो विश्व तेल बाजार के लिए संवेदनशील है, वर्तमान तनाव का सबसे महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है। ईरान की नाकाबंदी ने वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बढ़ी है। अमेरिका ने इस जलडमरूमध्य को खोलने के लिए न केवल कूटनीतिक दबाव बढ़ाया है, बल्कि युद्ध विकल्पों पर भी अपनी तैयारी दिखाई है। इस बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिकी हमला हुआ, तो वे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। यह स्थिति पूरी तरह से अस्थायी युद्ध विराम की स्थिरता को चुनौती दे रही है। इस तरह का तनाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मिडिल ईस्ट और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर परिणाम ला सकता है। तेल की बढ़ती कीमतें, व्यापार में व्यवधान और क्षेत्रीय सैन्य तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की भूमिका इस संकट में नई गहराई जोड़ रही है इसको समझने की करें तो, ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात करने रूस जा रहे हैं, ताकि मिडिल ईस्ट के हालात और हॉर्मुज की नाकाबंदी पर चर्चा की जा सके। यह कदम न केवल ईरान की कूटनीतिक सक्रियता को दशार्ता है, बल्कि यह भी संकेत है कि ईरान अमेरिका के एकतरफा दबाव को अस्वीकार करते हुए बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाना चाहता है। रूस की मध्यस्थता संभावित रूप से अस्थायी युद्ध विराम को स्थिर करने और दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर वापस लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, इस कदम से यह भी साफ होता है कि ईरान वैश्विक शक्ति संतुलन के दृष्टिकोण से अपने विकल्पों का विस्तार करना चाहता है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम हो और मध्यस्थ देशों के माध्यम से सटीक रूप से दबाव संतुलित किया जा सके।

साथियों हालांकि, स्थिति अत्यंत नाजुक है। 27 अप्रैल 2026 की स्थिति के अनुसार, अस्थायी युद्ध विराम टूटने की कगार पर है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी, जहाजों की जब्ती और अमेरिका की सैन्य दबाव नीति ने दोनों देशों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है।पाकिस्तान की मध्यस्थता और रूसी कूटनीतिक प्रयास फिलहाल गतिरोध में हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इस तनावपूर्ण दौर में किसी भी पक्ष की जल्दबाजी एक व्यापक सैन्य संघर्ष की चिंगारी पैदा कर सकती है। अमेरिका और ईरान दोनों ही अपने रणनीतिक हितों की रक्षा के लिए सख्त रुख पर बने हुए हैं, जिससे वार्ता में किसी भी प्रकार के तत्काल समाधान की संभावना कम दिख रही है। इस तनाव का प्रभाव न केवल क्षेत्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक मानते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान युद्ध विराम का भविष्य पूरी तरह अनिश्चित है। अगर ईरान और अमेरिका के बीच कूटनीतिक समाधान नहीं निकला,तो हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य संघर्ष और तेल आपूर्ति में व्यवधान, विश्व बाजार में अप्रत्याशित अस्थिरता ला सकते हैं। दूसरी ओर,अगर रूस और पाकिस्तान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा पाए, तो युद्ध विराम को स्थिर किया जा सकता है और दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इस तरह, अमेरिका और ईरान का अस्थायी युद्ध विराम एक नाजुक संतुलन पर टिका हुआ है, जो किसी भी समय बदल सकता है, और इसकी सफलता पूरी तरह से दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण, अंतरराष्ट्रीय दबाव और क्षेत्रीय सैन्य रणनीति पर निर्भर करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, अमेरिका और ईरान के बीच वर्तमान तनाव और अस्थायी युद्ध विराम, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। यह दिखाता है कि मध्यपूर्व में सैन्य और कूटनीतिक संतुलन बेहद संवेदनशील है, और किसी भी छोटे कदम या गलती से बड़ी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं कीश्रृंखला शुरू हो सकती है। 27 अप्रैल 2026 तक का यह चरण न केवल अमेरिका और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों का परिक्षण है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी यह एक चुनौती है कि वह मध्यस्थता, कूटनीति और दबाव की संतुलित रणनीति अपनाए, ताकि मिडिल ईस्ट में स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में लश्कर के आतंकी यूसुफ की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लश्कर-ए-ताइबा सरगना हाफिज सईद के एक और करीबी आतंकी शेख यूसुफ अफरीदी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लांडी कोटल में अफरीदी की हत्या के बाद हमलावर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने अफरीदी पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। सूत्रों के अनुसार, यूसुफ अफरीदी लंबे समय से आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। लश्कर में भी उसकी अहम भूमिका थी। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुरक्षा एजेंसियां इसे लक्षित हत्या के एंगल से भी देख रही हैं।

उत्तरी टेक्सास में आए बवंडर से दो लोगों की मौत, कई घर तबाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी टेक्सास में शनिवार रात आए भीषण बवंडर ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई घर पूरी तरह नष्ट हो गए। अधिकारियों के अनुसार, बवंडर की वजह से कम से कम 20 परिवार बेघर हो गए हैं। वाइज काउंटी के रनवे बे इलाके में 217 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले 'एफई-2' बवंडर ने एक व्यक्ति की जान ले ली। यहां सड़कों पर मलबा जमा होने और बिजली के खंभे गिरने से राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। वहीं, स्प्रिंगटाउन में एफई-1' बवंडर की चपेट में आने से दूसरे व्यक्ति की मौत हुई। इस इलाके में बड़े पैमाने पर बिजली गुल है। मौसम विभाग ने बताया कि यह तूफान विचिटा फॉल्स से शुरू होकर फोर्ट वर्थ के पश्चिम की ओर बढ़ा। एजल शहर के पास भी एक बेहद खतरनाक बवंडर देखा गया। फिलहाल राहत टीमें मलबे को हटाकर प्रभावित लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

इस्लामाबाद में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतकों में एक महिला और एक किशोर भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार को जांगी सैयदैन क्षेत्र में एक घर में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने सुबह गोली चलने की आवाजें सुनीं और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो घर की पहली मंजिल पर चार शव बरामद हुए। दो पीड़ित अलग-अलग बिस्तरों पर थे, जबकि एक शव फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सभी पीड़ितों के सिर में गोली लगी थी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है। शुरुआती जांच में अधिकारियों को यह मामला 'ऑनर किलिंग' (सामूहिक हत्या) का लग रहा है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं लगाया है और न ही किसी संदिग्ध की पहचान की है।

ईरान को डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं करेगी', अराघची के मॉस्को दौरे के बीच रूस का बड़ा बयान

मॉस्को , एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस दौरे पर मॉस्को पहुंच गए हैं। ईरान के विदेश मंत्री के दौरे के बीच ही रूस का एक बड़ा बयान सामने आया है। रूस ने कहा है कि ईरान को सैन्य ताकत का डर दिखाकर डराया-धमकाया नहीं जा सकता। वियना में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन में रूस के प्रतिनिधि मिखाइल उलयानोव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, सैन्य तैनाती की धमकी और प्रतिबंध कड़े करने की बात ब्लैकमेलिंग है, लेकिन ईरान पर ये चाल काम नहीं करेगी। रूसी राजनयिक ने कहा कि अमेरिका को समझौते के लिए अपने रुख को नरम करना चाहिए। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोमवार को कहा कि उनका रूस दौरा, युद्ध के बाद समन्वय का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अराघची ने ये टिप्पणियां सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए पर प्रसारित एक पूर्व-रिकॉर्डेड साक्षात्कार में कीं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक अच्छा अवसर है कि हम युद्ध से जुड़े घटनाक्रम और वर्तमान स्थिति पर अपने रूसी मित्रों के साथ परामर्श करें।' अराघची ने कहा कि अमेरिका के रवैये के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ता में देरी हुई। उन्होंने कहा, 'पिछली वार्ता में प्रगति होने के बावजूद, अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी और इसके लिए उन्होंने अमेरिका की बहुत ज्यादा मांगों को जिम्मेदार ठहराया। इस बीच ईरान की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान के पास भी कई अहम पत्ते हैं। गालिबाफ का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि उनके पास सारे पत्ते हैं, जिनसे वे ईरान पर दबाव बना सकते हैं। अब गालिबाफ ने कहा है कि तेल की सप्लाई और मांग जैसे कई अहम पत्ते हैं, जो ईरान के पास हैं। गौरतलब है कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौते के लिए पर्दे के पीछे से बातचीत जारी है। रूस दौरे से पहले ईरानी विदेश मंत्री ने पाकिस्तान और ओमान का दौरा किया।

रिपोर्ट में दावा : भारत से नहीं जीत पाया तो खुन्नस में

अफगानिस्तान से भिड़ बैठा था पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी।

ऑपरेशन सिंदूर में हार का सामना करने के बाद पाकिस्तान ने जान बूझकर अफगानिस्तान को निशाना बनाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान या टी.टी.पी ने ये आरोप लगाए हैं। टीटीपी के आरोप हैं कि पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी छवि सुधारने के लिए अफगानिस्तान के साथ तनाव बढ़ाया था। फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच स्ट्राइक्स के बाद युद्ध जैसे हालात हो गए थे।

पाकिस्तान पर टीटीपी के आरोप

सीएनएन न्यूज18 के अनुसार, टीटीपी की मैगजीन मुजल्ला तालिबान के 11वें अंक में मुनीर पर कई आरोप लगाए हैं। इसमें कहा गया है कि मुनीर ने अफगानिस्तान को भारत की तुलना में एक आसान निशाना समझा। मई 2025 में भारत के साथ हुए टकराव में हार और दुनिया भर में भारत के बढ़ते समर्थन को देखते हुए उन्होंने यह रास्ता चुना। दावा किया जा रहा है कि ऐसा करने के पीछे उनका मकसद अपनी सैन्य कामयाबी दिखाना और अपने देश में अपनी पकड़ को और मजबूत करना था।

खुली जंग का किया था ऐलान

पाकिस्तान ने फरवरी में कहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ 'खुली जंग' जारी है। पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के तहत अफगानिस्तान में कई स्थानों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद उनकी यह टिप्पणी आई थी। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि सीमा पार से 'बिना उकसावे के गोलीबारी' के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने ये हमले किए थे। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को 'डूरंड रेखा' कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

अमेरिका से भी जोड़े तार

रिपोर्ट के मुताबिक, टीटीपी ने पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व पर अमेरिका के साथ मिलीभगत की अपनी पुरानी आदत जारी रखने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि फरवरी 2026 में अफगान शहरों में किए गए हवाई हमले उग्रवाद को खत्म करने के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका को खुश करने और उसकी चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए थे।

ऑपरेशन सिंदूर

बीते साल अप्रैल में आतंकवादियों ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 सैलानियों की गोलीबारी कर हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल संधि रोकने समेत कई फैसले लिए थे। वहीं, 7 मई को भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का आगाज किया था। इसके तहत पाकिस्तानी सीमा क्षेत्र में प्रवेश कर आतंकवादियों के ठिकाने तबाह किए गए थे।

पहलगाम की बरसी पर भारतीय सेना ने एक बार फिर पोस्टर जारी कर चेतावनी दी थी। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कह चुके हैं कि अभी ऑपरेशन सिंदूर जारी है।

जापान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, पीएम ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की दी चेतावनी

टोक्यो, एजेंसी। सोमवार सुबह उत्तरी जापान के एक हिस्से में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। हालांकि, किसी नुकसान या किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी दी है। जापान टुडे के अनुसार, जापान मौसम एजेंसी ने सुनामी की कोई एडवाइजरी जारी नहीं की। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप जापान के सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के छोटे से शहर साराबेत्सु से 18 किलोमीटर पश्चिम में 81 किलोमीटर की गहराई पर आया। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। वहीं पीएम ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सुबह करीब 5:24 बजे, होक्काइडो के टोकाची इलाके के दक्षिणी हिस्से में भूकंप का केंद्र था और होक्काइडो के उराहोरो टाउन में जापानी सीस्मिक स्केल पर सबसे ज्यादा 5-कम इंटेंसिटी का तेज झटका महसूस किया गया। सुनामी की कोई चिंता नहीं है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'सरकार के तौर पर, भूकंप के तुरंत बाद, हमने 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर' और 'प्राइम मिनिस्टर ऑफिस कम्युनिकेशन रूम' बनाया और मेरे निर्देशों के आधार पर, हम नुकसान की स्थिति को समझने और जनता को सही जानकारी देने जैसे रिस्पॉन्स के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जिन इलाकों में झटके तेज थे, हम उनसे अपील करते हैं कि आप इसी तरह की तीव्रता वाले भूकंप की संभावना के लिए अलर्ट रहें। जापान की मॉनिटरिंग एजेंसी के अधिकारी ने चेतावनी दी कि जिन इलाकों में तेज झटके महसूस हुए, वहां चट्टानें गिरने और भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।

ताइवान के पास चीन की सैन्य गतिविधि तेज

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को जानकारी दी कि उसके आसपास चीन की सैन्य गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्रालय के अनुसार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक चीन के 7 सैन्य विमानों की उड़ानें और 9 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए। इनमें से 7 में से 6 विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र) में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि देश की सशस्त्र सेनाएं स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं और आवश्यक जवाबी कार्रवाई की जा रही है।इससे पहले रविवार को भी इसी तरह की गतिविधि दर्ज की गई थी, जब चीन के 28 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। इनमें से 18 विमान ताइवान के उत्तरी, मध्य और दक्षिण-पश्चिमी ष्ठ्रढ्ढं में प्रवेश कर चुके थे। ताइवान लगातार चीन की इन बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर निगरानी रख रहा है और सुरक्षा स्थिति को लेकर सतर्क बना हुआ है।

विद्रोहियों के हमले में माली के रक्षा मंत्री की मौत

माली , एजेंसी। माली के रक्षा मंत्री जनरल सादियो कमारा की शनिवार को एक हमले में मौत हो गई। सैन्य अधिकारियों और अन्य सूत्रों ने रविवार को इस खबर की जानकारी दी। विद्रोहियों ने उनके घर को निशाना बनाकर यह हमला किया था। हालांकि, माली की सरकार ने अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इस हमले के दौरान जिहादियों और विद्रोही गुटों ने देश के कई शहरों और सैन्य ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

मामले में अलगाववादी लड़ाकों और इस्लामी चरमपंथियों ने मिलकर राजधानी और अन्य शहरों में सेना पर बड़ा हमला बोला। इस हिंसा में कम से कम 16 लोग घायल हुए हैं। माली में अलगाववादी गुट पिछले कई वर्षों से उत्तरी हिस्से में एक स्वतंत्र देश बनाने की मांग कर रहे हैं।

मध्यस्थ को एक तरफ नहीं झुकना चाहिए'

ईरान ने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर उठाए सवाल

तेहरान , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव कम करने के उद्देश्य से पाकिस्तान की मध्यस्थता में युद्धविराम (सीजफायर) को लेकर वार्ता धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इस दीर्घकालिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान ने स्वयं को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत किया है। पाकिस्तान इस राजनयिक पहल के माध्यम से न केवल अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को सुधारने का प्रयास कर रहा है, बल्कि उसे इस प्रक्रिया के बदले आर्थिक सहायता मिलने की भी प्रबल संभावना है। हालांकि, इन प्रयासों के बीच ईरान के भीतर पाकिस्तान की भूमिका को लेकर विश्वसनीयता का संकट स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

ईरान के सांसद और 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति आयोग' के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने भी पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए उसकी निष्पक्षता पर संदेह व्यक्त किया है। रेजाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान हमारा अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह बातचीत के लिए सही मध्यस्थ नहीं है और उसमें मध्यस्थता के लिए जरूरी विश्वसनीयता नहीं है। वे हमेशा ट्रंप के फायदों का ध्यान रखते हैं और अमेरिकियों की मर्जी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहते।'

ईरानी नेता ने आगे कहा, 'उदाहरण के लिए, वे दुनिया को यह बताने को तैयार नहीं हैं कि अमेरिका ने पहले पाकिस्तान का प्रस्ताव मान लिया था लेकिन फिर अपनी बात से मुकर गया। वे यह नहीं कहते कि लेबनान या ब्लॉक किए गए एसेट्स के मुद्दे पर अमेरिकियों ने कमिटमेंट किए थे लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। एक मीडिएटर को बिना किसी भेदभाव के होना चाहिए, हमेशा एक तरफ नहीं झुकना चाहिए।' पाकिस्तान का झुकाव इस स्थिति में अमेरिकी की तरफ साफ जाहिर है। इसका ताजा उदाहरण तब देखने को मिला, जब दोनों देशों के बीच दो हफ्ते के लिए सीजफायर की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के एक्स हैंडल पर जो पोस्ट किया गया, उसमें लिखा था, 'ड्राफ्ट- एक्स पर पाकिस्तान के पीएम का मैसेज।' हालांकि इस पोस्ट को एडिट कर दिया गया था, लेकिन एडिटेड हिस्ट्री से इसका खुलासा हो गया। इससे एक बात साफ हो गई थी कि पाकिस्तान के पीएम के एक्स हैंडल पर जो भी पोस्ट किया गया, उसमें शब्द किसी और के थे, बस आवाज पाकिस्तानी पीएम की थी। इस पोस्ट के बाद ये अटकलें और तेज हो गई कि पाकिस्तान अमेरिका के इशारे पर मध्यस्थता का काम कर रहा है।

उत्तर कोरिया युद्ध स्मारक: जंग में हताहत सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर बोले किम जोंग- रूस से गठबंधन मजबूत होगा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों की याद में एक बड़ा स्मारक और सैन्य संग्रहालय खोल दिया है। यह आयोजन प्योंगयांग में किया गया, जिसमें उत्तर कोरिया के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने भी हिस्सा लिया। सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह स्मारक रूस के कुर्स्क क्षेत्र को यूक्रेन से मुक्त कराने की पहली वर्षगांठ पर खोला गया।

रूस के साथ सैन्य सहयोग को बताया रणनीतिक साझेदारी : इस मौके पर किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया और रूस का संबंध अब खून से जुड़ा हुआ है और इसे एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक हालात में दोनों देशों को एक मजबूत और एकजुट शक्ति के रूप में आगे बढ़ना होगा, ताकि किसी भी संकट का सामना किया जा सके।

युद्ध में उत्तर कोरिया की भूमिका : रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 से उत्तर कोरिया ने रूस को लगभग 15,000 सैनिक और सैन्य हथियार भेजे हैं। यह सैनिक रूस-यूक्रेन युद्ध में सहायता के लिए तैनात किए गए थे। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का दावा है कि इस युद्ध में अब तक लगभग 6,000 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं।

रूस-उत्तर कोरिया रिश्ते और मजबूत : इस कार्यक्रम में रूस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए, जिनमें रक्षा मंत्री और संसद अध्यक्ष प्रमुख थे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संदेश भेजकर कहा कि यह स्मारक दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक है और आने वाले समय में यह संबंध और मजबूत होंगे। किम जोंग उन और रूसी रक्षा मंत्री के बीच हुई बैठक में सैन्य सहयोग, राजनीतिक साझेदारी और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में सैन्य सहयोग और भी गहरा हो सकता है।

हज 2026 : भारतीय राजदूत ने मक्का का दौरा किया, हाई-स्पीड ट्रेन और डिजिटल सेवाएं शुरू

रियाद, एजेंसी। भारत के सऊदी अरब में राजदूत सुहेल खान ने रविवार को मक्का का दौरा किया और भारतीय हज यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मदीना से ट्रेन के जरिए मक्का पहुंचे भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे का भी स्वागत किया। इस दौरान जेद्दा में भारत के कॉन्सुल जनरल फहद सूरी और कॉन्सुल हज सदफ चौधरी भी मौजूद थे, यह जानकारी सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने सोशल मीड?िया 'एक?स' अकाउंट पर दी। दूतावास ने बताया कि इस साल बड़ी संख्या में भारतीय यात्री मक्का और मदीना के बीच सफर के लिए हरमैन हाई-स्पीड रेलवे का इस्तेमाल करेंगे। इसके अलावा इसका उपयोग जेद्दा और मक्का के बीच यात्रा के लिए भी किया जाएगा। इससे यात्रियों का सफर काफी तेज, सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगा।

18 अप्रैल को हज 2026 के पहले जत्थे के यात्री दिल्ली एयरपोर्ट से सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुए थे। उस समय दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां भी एयरपोर्ट पर मौजूद थीं।

हज के लिए कई सुविधाएं शुरू की गई हैं। इनमें 'हज सुविधा ऐप' के जरिए डिजिटल सेवाएं बढ़ाना और 'हज सुविधा स्मार्ट बैंड' शामिल है, जिससे यात्रियों को ढूंढने और मदद करने में आसानी होगी।

इस बार लगभग 20 दिन का छोटा हज विकल्प भी शुरू किया गया है, ताकि लोगों को ज्यादा सुविधा मिल सके। सरकार ने हर यात्री के लिए बीमा कवर भी बढ़ाकर लगभग 6.25 लाख रुपए कर दिया है, जिससे यात्रा के दौरान आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत होगी।

करीब 60,000 यात्रियों को मक्का और मदीना के बीच हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, जिससे उनका सफर तेज और आरामदायक होगा। इसके अलावा यात्रियों की रियल-टाइम निगरानी, शिकायत निवारण सिस्टम, बेहतर मेडिकल जांच और स्वास्थ्य सुविधाएं और सऊदी अरब में ठहरने और परिवहन की बेहतर व्यवस्था भी की गई है। मक्का में होटल जैसी रहने की सुविधा भी दी जा रही है।

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय, नेतन्याहू की बढ़ेंगी मुश्किलें

यरूशलम , एजेंसी। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी-अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्तूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्व और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतदाताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को नेफ्ताली बेनेट के पीछे एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हंगरी का उदाहरण दिया, जहां एकजुट विपक्ष ने जीत हासिल की।

7 अक्तूबर के हमलों की उच्च स्तरीय जांच का एलान : नई पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे सिर्फ यहूदी दलों के साथ गठबंधन करेंगे और अरब दलों के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। नई पार्टी ने साफ कर दिया है कि अगर वे सत्ता में आते हैं तो उनकी सरकार 7 अक्तूबर के हमलों की जांच के लिए आयोग गठित करेगी। साथ ही सार्वभौमिक सैन्य भर्ती कानून को लागू किया जाएगा। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री के कार्यकाल को 8 साल तक किया जाएगा। बेनेट और लैपिड ने अपनी पार्टियों के विलय के मौके पर यशर पार्टी के नेता आइजेनकोट को भी गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया।

लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं': बराक ओबामा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस घटना पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है।

ओबामा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान में कहा कि अभी तक हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम हिंसा को पूरी तरह अस्वीकार करें। उन्होंने इस दौरान अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों, खासकर सीक्रेट सर्विस के साहस और तत्परता की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि यह घटना उन अधिकारियों के बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाती है, जो हर दिन देश की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। घायल एजेंट के जल्द स्वस्थ होने की भी उन्होंने कामना की।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने इस घटना को डरावना पल बताया और सुरक्षा एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी सूझबूझ से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी। अमेरिकी कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच के अनुसार, हमलावर ने कुछ गोलियां चलाईं, लेकिन वह सुरक्षा घेरे को पार नहीं कर सका और तुरंत काबू में कर लिया गया। पुलिस ने 31 वर्षीय आरोपी कोल टोमस एलन को हिरासत में ले लिया है, जिसने कथित तौर पर सुरक्षा चेकपॉइंट को पार करने की कोशिश की थी। घटना के बाद पूरे परिसर को तुरंत लॉकडाउन कर दिया गया और मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से टली बड़ी घटना

यह घटना उस समय हुई जब कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। राहत की बात यह रही कि सभी प्रमुख हस्तियां सुरक्षित हैं। हालांकि, घटना के दौरान एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी घायल हो गया, जो हमलावर को रोकने की कार्रवाई में शामिल था।

शिकागो के अस्पताल में अंधाधुंध गोलीबारी से मचा हड़कंप, दो पुलिसकर्मी घायल

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला शिकागो के एक अस्पताल में हुआ है। यहां गोलीबारी के बाद पूरे अस्पताल कैंपस को लॉकडाउन कर दिया गया है। एंडेवर हेल्थ स्वीडिश अस्पताल प्रशासन ने शनिवार को जानकारी दी कि स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद सभी मरीज और कर्मचारी सुरक्षित हैं। प्रशासन ने यह भी बताया कि दोपहर तक अस्पताल में किसी भी तरह का सक्रिय खतरा नहीं था।

यह गोलीबारी सुबह करीब 11 बजे हुई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। शिकागो पुलिस विभाग ने इस मामले में और जानकारी देने के लिए किए गए कई अनुरोधों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अस्पताल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

'किंग' के बाद 'जवान' के सीक्वल पर काम शुरू कर सकते हैं शाहरुख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान जल्द ही अपनी नई फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। फिलहाल फिल्म की शूटिंग जारी है, लेकिन इससे पहले उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर अपनी सुपरहिट मूवी के सीक्वल में नजर आएंगे।

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' के बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में लग सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान फिलहाल अपनी फिल्म 'किंग' पर फोकस कर रहे हैं, जो एक बड़े बजट की एक्शन फिल्म बताई जा रही है और 2026 में रिलीज हो सकती है। लेकिन इसी बीच खबर है कि 'किंग' के बाद वह अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' के सीक्वल यानी 'जवान 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और मेकर्स इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसको लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इससे पहले भी 'जवान 2' को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ चुकी हैं, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर की तरफ से भी कोई कन्फर्मेशन नहीं दिया गया था। कहीं न कहीं इस खबर से फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है।

'किंग' फिल्म के बारे में

शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। ये एक एक्शन पैक फिल्म होने वाली है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी जैसे बड़े सितारे नजर आ सकते हैं।

क्या अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल? मेकर्स ने बताई सच्चाई

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।

फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह

दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आईं कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारू रूप से चल रही है।'

प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद काम पर लौटीं दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' के फिनाले में इमोशनल हुए अक्षय

अक्षय कुमार का रियलिटी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' 27 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले के साथ खत्म होने जा रहा है, जिसमें फराह खान, जैकलीन फर्नांडिस और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

अक्षय को टीम ने दिया खास ट्रिब्यूट

शो की ओर से एपिसोड का प्रोमो शेयर किया गया। प्रोमो की शुरुआत में ढेर सारी मस्ती देखने को मिलती है। लेकिन शो का तब इमोशनल हो जाता है, जब भूमि पेडनेकर बताती हैं कि शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून इंडिया' की टीम ने अक्षय के लिए एक खास ट्रिब्यूट तैयार किया है। इस वीडियो मोंटाज में शो के कई यादगार पल दिखाए जाते हैं, साथ ही एक दिल छू लेने वाला मैसेज सुनाई देता है- 'कल से ये मंच नहीं होगा, लेकिन आपकी मुस्कुराहट याद रहेगी, आपकी शरारतें, नादानियां और शैतानियां याद रहेंगी... आप याद रहेंगे।' यह ट्रिब्यूट देखकर अक्षय कुमार की आंखों में आंसू आ गए। प्रोमो में वो अपने आंसू छुपाने के लिए फराह खान के पीछे जाते नजर आते हैं। अपने इस सफर को याद करते हुए अक्षय बताते हैं कि शो के 65 एपिसोड पूरे हो चुके हैं, जिसमें करीब 200 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया।

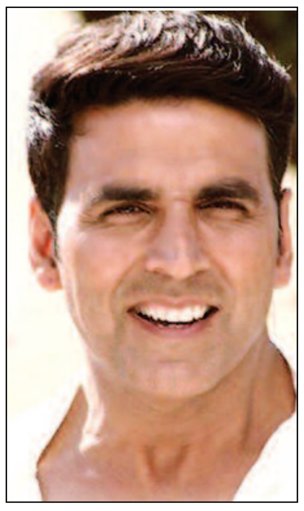

सोशल मीडिया से परेशान हुए पार्थ समथान, उठाया यह बड़ा कदम

टीवी के मशहूर अभिनेता पार्थ समथान अपने बेहतरीन अभिनय के साथ ही अपनी दमदार पर्सनैलिटी के लिए जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में न जाने ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला कर लिया है। उनके इस फैसले ने हर किसी को हैरान कर दिया है। जानिए क्या है पूरा मामला?

पार्थ समथान ने सोशल मीडिया से क्यों बनाई दूरी?

दरअसल, पार्थ अपने परिवार और खुद पर होने वाले ट्रोलिंग से बहुत परेशान हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि कुछ लोग नकली अकाउंट्स खरीदकर उनके और उनके परिवार की निजी जिंदगी पर गलत कमेंट्स कर रहे हैं। 'मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है' पार्थ ने कहा, 'मैं शांत और पॉजिटिव इंसान हूं, लेकिन यह सब देखकर मुझे बहुत गुस्सा आ रहा है। मुझे लगता है कि मैं जानता हूं कि यह सब कौन कर रहा है, लेकिन नाम लेना बेकार है।' उन्होंने आगे लिखा कि अब वह साइबर क्राइम में शिकायत करने में समय बर्बाद नहीं करेंगे। बल्कि अपनी जिंदगी और काम पर ध्यान देंगे।

कौन हैं पार्थ समथान?

पार्थ समथान एक प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेता और मॉडल हैं। उन्होंने 'गुमराह' और 'बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर?' जैसे शो से अपना करियर शुरू किया था। फिलहाल, पार्थ समथान टीवी शो 'सहर होने को है' में 'माहिद' का किरदार निभा रहे हैं। इस शो में उनके साथ माही विज, ऋषिता सिंह और कनिका माहेश्वरी भी काम कर रही हैं। पार्थ को 'कसौटी जिंदगी की 2' और 'कैसी ये यारियां' जैसे शोज से बहुत पॉपुलैरिटी मिली थी।

मुझे पैपराजी से बात करना अच्छा लगता है

अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पिट सियापा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में सोनम प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में सोनम ने पैपराजी के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि जब पैप्स उनसे फोटोज के लिए कहते हैं, तो उनका रिएक्शन कैसा होता है?

बातचीत में सोनम बाजवा ने कहा कि जब पैपराजी उनसे फोटो के लिए कहते हैं, तो समझ ही नहीं आता कि कैसे रिएक्ट करें। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं जोर से हंसती हूं। मुझे नहीं पता कि पैपराजी के सामने क्या करना है। वे सैलून के बाहर भी इंतजार कर रहे होते हैं। मैं उन्हें मना नहीं कर सकती। लेकिन मुझे बहुत शर्म आती है, मुझे नहीं पता कि अगर मैं अभी-अभी सैलून से निकली हूं तो उनके सामने कैसे पोज दूं। वैसे पैपराजी बहुत कूल हैं। वे आपको इतना हंसाते हैं। मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे, यह पैपराजी के सामने क्यों हंसती रहती है? मुझे उनसे बात करने में बहुत मजा आता है। मुझे उनसे कभी-कभार मिलना अच्छा लगता है।

हालांकि, एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कभी-कभी पैपराजी प्राइवेसी वाली जगहों पर भी पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन कभी-कभी, आप अभी-अभी सोकर उठे होते हैं। आपने एक कप कॉफी भी नहीं पी होती। आपको जिम के लिए देरी हो रही होती है। जैसे ही आप जिम पहुंचते हैं, आपको पैपराजी दिख जाते हैं। आपका चेहरा सूजा हुआ होता है। हो सकता है कि आप पिछली रात से सोए न हों। आपने पर्याप्त पानी भी नहीं पिया हो। लेकिन पैपराजी आपका इंतजार कर रहे होते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुंबई में पैपराजी कल्चर कितनी गहराई से जड़ जमा चुकी है। हर कोई सतर्क हो जाता है। सोचिए अगर मैं आपको जागने के 30 मिनट के अंदर ही पकड़ लूं। आपको अच्छा नहीं लगेगा। तो ऐसा होता है। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमारे काम का हिस्सा है। अब यह कल्चर स्थापित हो चुका है। मुंबई में पैपराजी का कल्चर बन चुका है। इसलिए, मैं हमेशा खुद से कहती हूं हमेशा तैयार रहो कि पैपराजी वहां होंगे। चाहे आप कहीं भी जा रहे हों।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम बाजवा अगली बार रूपिंदर चहल द्वारा निर्देशित आगामी पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा 'पिट सियापा' में नजर आएंगी। 1 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म में सोनम बाजवा के साथ परमवीर सिंह चीमा भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कहानी निम्मी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार सोनम निभा रही हैं।

हम दर्शकों को हल्के में लेते हैं उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है

अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर स्ट्रीम कर रही है। भारत में होने वाले दुष्कर्म जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित इस फिल्म को क्रिटिक्स से जमकर सराहना मिली थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म वो कमाई नहीं कर सकी, जिसकी मेकर्स को उम्मीद थी। अब हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा ने समीक्षकों द्वारा मिली फिल्म की सराहना पर बात की। साथ ही उन्होंने ये भी समझाया कि आखिर क्यों 'अस्सी' बॉक्स ऑफिस पर वैसी कमाई नहीं कर पाई।

फिल्म को मिली प्रतिक्रियाओं से खुश हैं निर्देशक इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान अनुभव सिन्हा ने 'अस्सी' को मिली पॉजिटिव प्रतिक्रियाओं के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मैसेज, डीएम और रीलों के माध्यम से प्रशंसा की है। मैसेज भेजने का तरीका बदल गया है। जब तक लोग सकारात्मक बातें कह रहे हैं, मैं खुश हूं। फिल्म के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि 'अस्सी' 'थप्पड़' की तरह चर्चाओं को जन्म देगी। यही कारण है कि मैं ये फिल्में बनाता हूं। हो सकता है मेरे पास सभी जवाब न हों, लेकिन समाज मुझसे कहीं ज्यादा जानता है। अगर लोग इन मुद्दों पर बात करेंगे, तो उन्हें सवाल और जवाब दोनों मिल जाएंगे। उद्देश्य तो उन्हें प्रभावित करना था, लेकिन इसने उन्हें मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावित किया है। अब बाहर निकलने और सिनेमाघरों में जाने की आदत बदल गई

क्या दर्शक ऐसे गंभीर मुद्दों और विषयों के लिए तैयार हैं? इस सवाल पर अनुभव सिन्हा ने कहा कि हम अपने दर्शकों को हल्के में लेते हैं। उनकी पसंद बहुत अलग-अलग है। यह एक ऐसा देश है जहां प्रकाश मेहरा, मनमोहन देसाई, गोविंद निहलानी, श्याम बेनेगल और बसु चटर्जी जैसे फिल्म निर्माता एक ही समय में सफल हुए। यह भारतीय दर्शकों की विविधता को दिखाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि बदलती आदतों का असर सिनेमाघरों में जाने पर पड़ा है। अब बाहर जाना कम हो गया है क्योंकि यह कम सुविधाजनक हो गया है। यह सिर्फ सिनेमा तक ही सीमित नहीं है; खरीदारी की आदतें भी बदल गई हैं। लोगों के पास अब घर पर ही आसान विकल्प मौजूद हैं।

12 लाख लोगों ने सिनेमाघरों में देखी 'अस्सी'

फिल्म के कलेक्शन के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि सफलता सापेक्ष है। इस तरह की फिल्म के लिए व्यावसायिक सफलता बहुत महत्वपूर्ण है। ये फिल्में बनाना और देखना मुश्किल होता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से आर्थिक रूप से इन्हें सफल बनाना भी कठिन होता है। लेकिन यह एक ऐसा चुनाव है जो आप करते हैं और आपको इसके साथ जीना पड़ता है। आप चांद के बारे में सोचते हैं, यह जानते हुए भी कि चांद मिलना संभव नहीं है। लेकिन 'अस्सी' उम्मीद से भी कम रही। यह भव्य तो नहीं बनी, लेकिन सिनेमाघरों में आने वाले दर्शकों की संख्या के लिहाज से भी यह उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। फिर भी 12 लाख से अधिक लोगों ने सिनेमाघरों में फिल्म देखी, जो बेहतर है।

कुछ प्रतिक्रियाओं ने प्रभावित किया फिल्म का कलेक्शन

फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर सफल न हो पाने के कारणों पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि कई समीक्षाएं, हालांकि सकारात्मक थीं, लेकिन उनमें 'परेशान करने वाली' या 'दिल दहला देने वाली' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मुझे लगता है कि यही फिल्म के लिए बाधक साबित हुआ। दर्शकों की प्रतिक्रियाओं ने भी धारणा को प्रभावित किया। लोगों ने कहा, 'यह सबके लिए नहीं है' या 'अगर आप संवेदनशील हैं तो इसे न देखें'। एक तरह से इसने फिल्म के खिलाफ काम किया। हालांकि, फिल्म की प्रशंसा ने भी मदद की।

एक नजर

बंगोली ग्राम पंचायत में आज होगी बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत 29 अप्रैल (बुधवार) को विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत बंगोली में तहसीलदार जखोली की अध्यक्षता में ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करना है।

तहसीलदार जखोली कमलेश सिंह किरौला ने जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल माह के लिए निर्धारित रोस्टर के अनुसार वे ग्राम पंचायत बंगोली का स्थलीय भ्रमण करेंगे और ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। तहसीलदार ने संबंधित क्षेत्रीय राजस्व उपनिरीक्षक को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने और ग्रामीणों को बैठक की सूचना देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के ग्रामीणों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में बैठक में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखें, ताकि उनका शीघ्र निस्तारण किया जा सके।

ग्रामीणों ने सड़क डामरीकरण कार्य पर जताई आपत्ति

उत्तरकाशी। मोरी–नैटवाड़, सांकरी–जखोल मोटर मार्ग पर चल रहे डामरीकरण कार्य को लेकर जखोल क्षेत्र के ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर वर्तमान कार्य को तत्काल रोकने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 42 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग पर मानकों के अनुरूप एफडीआर तकनीक से निर्माण किया जाना प्रस्तावित था लेकिन कई स्थानों पर साधारण डामरीकरण किया जा रहा है। उनका आरोप है कि यह कार्य गुणवत्ता मानकों की अनदेखी कर किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यह मार्ग आपदा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में आता है। ऐसे में मजबूत और टिकाऊसड़क निर्माण के लिए एफडीआर तकनीक का उपयोग अनिवार्य है। ग्रामीणों ने बताया कि साधारण डामरीकरण अक्सर एक–दो वर्षों में ही उखड़ जाता है। इससे न केवल आम जनता को परेशानी होती है बल्कि सरकारी धन की भी बरबादी होती है।स्थानीय निर्माण निगरानी समिति के अध्यक्ष जगदीश रांगड़ और उपाध्यक्ष किशन रावत सहित अन्य पदाधिकारियों ने मांग की है कि निर्माण कार्य शुरू करने से पहले समिति, जनप्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक आयोजित की जाए।

सुरक्षा के लिए टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम ने किया सर्वे

उत्तरकाशी। टिहरी बांध की झील से प्रभावित चिन्यालीसौड़ क्षेत्र के मुख्य बाजार की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम सर्वे करने पहुंची। टीम ने झील के कटाव और भूस्खलन से बचाने के लिए बनाई गई करोड़ों की गैबियन वॉल का तकनीकी मूल्यांकन किया। साथ ही उसके प्रभावी उपचार के लिए नई कार्ययोजना तैयार करने के विकल्पों पर भी चर्चा की। वर्ष 2018 में टीएचडीसी की ओर से बाजार क्षेत्र को झील के कटाव और भूस्खलन से बचाने के उद्देश्य से गैबियन वॉल का निर्माण कराया गया था जिससे लगभग 5 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत आई थी। समय के साथ इस सुरक्षा दीवार का करीब 20 मीटर हिस्सा जमीन में धंस गया जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। इसी समस्या के समाधान के लिए मंगलवार को चिन्यालीसौड़ मुख्य बाजार में टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम की ओर से विस्तृत डिजाइन सर्वे किया गया। सर्वे का उद्देश्य धंसी हुई गैबियन वॉल की स्थिति का तकनीकी मूल्यांकन करना और उसके प्रभावी उपचार के लिए नई कार्ययोजना तैयार करना है। सर्वे टीम में एजीएम डिजाइन आकाशदीप, जियोलॉजिस्ट मणि कंडन और सहायक प्रबंधक अंजली ओमार शामिल रहे। इस दौरान टीएचडीसी के उप प्रबंधक अतुल बहुगुणा ने बताया कि सर्वे के निष्कर्षों के आधार पर जल्द ही ठोस सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए जाएंगे।

जिले में बीवी–जी राम जी योजना के तहत 44 हजार मानव दिवस आवंटित

नई टिहरी। बीवी–जी राम जी योजना के तहत टिहरी जिले को इस वित्तीय वर्ष में 44 हजार मानव दिवस आवंटित किए गए हैं। ये अंतरिम मानव दिवस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लिए हैं जिससे जिले के सभी नौ विकासखंडों में कार्य किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बताया कि इस माह के अंत में केंद्र सरकार की बैठक होगी। बैठक में आगामी महीनों के लिए अतिरिक्त मानव दिवस आवंटित किए जाएंगे। बताया योजना के लाभार्थी को 125 दिन का रोजगार दिए जाने का प्रावधान है। यह प्रावधान ग्रामीण परिवारों को आजीविका सुरक्षा प्रदान करेगा।सीडीओ ने बताया कि जिलेभर में 100 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र बीवी–जी राम जी योजना में बनाए जाएंगे। इसके लिए संबंधित खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। एक आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण पर करीब 12 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसमें से 8 लाख रुपये बीवी–जी राम जी योजना से और शेष धनराशि विभागीय योजना से दी जाएगी।

बांध प्रभावितों ने शुरू किया क्रमिक अनशन, पहले दिन दो महिलाएं बैठीं

नई टिहरी। निशुल्क बिजली और पानी की मांग को लेकर आंदोलनरत बांध प्रभावितों ने अब क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है। पहले दिन रूकमा परमार और अशरूफी सेमवाल क्रमिक अनशन पर बैठीं। जन अधिकार मोर्चा के बैनर तले बांध प्रभावित स्थानीय लोग पिछले दो माह से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। वे पिछले 60 दिनों से बौराड़ी स्थित गणेश चौक में प्रतिदिन धरने पर बैठे रहे। मांगों पर कार्रवाई न होने से आंदोलनकारियों ने मंगलवार से क्रमिक अनशन शुरू कर दिया।

मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने कहा कि लंबे समय से धरना देने के बावजूद शासन–प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहा है जिससे प्रभावितों में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 61वें दिन से मजबूरन क्रमिक अनशन शुरू करना पड़ा है और इसमें प्रतिदिन अलग–अलग लोग शामिल होंगे। यदि इसके बाद भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। मोर्चा के सचिव मानवेंद्र रावत ने कहा कि टिहरी बांध से प्रदेश सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये की आय होती है लेकिन बांध प्रभावितों की मूलभूत मांगों की अनदेखी की जा रही है।

दो दिवसीय आर्ट एवं ड्रामा कार्यशाला संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महाविद्यालय के शिक्षा संकाय में आयोजित नाटक कार्यशाला के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ अत्यंत उत्साह, अनुशासन एवं रचनात्मक वातावरण के साथ हुआ। पूरे दिन विद्यार्थियों में सीखने, अभिनय करने तथा मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में अंतिम प्रस्तुति से पूर्व तैयार किए गए नाटकों का परीक्षण एवं चयन किया गया, ताकि उन्हें और अधिक प्रभावशाली रूप दिया जा सके। इसी क्रम में विद्यार्थियों द्वारा तैयार नाटकों का प्रस्तुतिकरण माननीय संसाधक अनुसूया प्रसाद डंगवाल एवं वीर सिंह नेगी जी के समक्ष किया गया। दोनों संसाधकों ने अभिनय, संवाद अदायगी, मंच संचालन तथा भाव–भंगिमाओं का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों की त्रुटियों में सुधार कराया तथा मंचीय प्रस्तुति के महत्वपूर्ण गुण सिखाए।

कार्यशाला में प्रस्तुत नाटकों में एक मूक हास्य–मनोरंजन नाटक था, जिसने बिना संवादों के अपने प्रभाव-शाली अभिनय से सभी को आनंदित किया, जबकि दूसरा नाटक पलायन जैसी गंभीर सामाजिक समस्या पर आधारित था, जिसने सभी को सोचने पर विवश कर दिया।

विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय, भावपूर्ण प्रस्तुति एवं प्रभावशाली मंचन से सभी का मन मोह लिया। दिनभर अभ्यास के पश्चात नाटकों को अंतिम रूप देकर विद्यालय के माननीय प्राचार्य श्री डी.एस. नेगी , विभागाध्यक्ष प्रोफेसर बी.सी. शाह एवं सम्मानित गुरुजनों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डी.एस. नेगी ने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं प्रतिभा की सराहना की तथा विशेष रूप से पलायन विषय पर प्रभावशाली विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पलायन केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति और गांवों की जड़ों से दूर होने का विषय है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचार्य डी.एस. नेगी द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों का मार्गदर्शन एवं राष्ट्र निर्माण में भावी अध्यापकों के योगदान पर विचार व्यक्त किए गए एवं उनके प्रोफेशनल विकास में इस तरह के कार्यक्रमों की महत्ता बताई गई , जिसके लिए समस्त बी.एड. विभाग एवं सभी छात्र–छात्राएँ उनका हृदय से विशेष धन्यवाद प्रकट करते हैं। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं सामाजिक जागरूकता का संचार किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डीएस नेगी, विभागाध्यक्ष प्रो. बी.सी. शाह, डॉ. डी.के मौर्य, डॉ. सुशील चंद्र बहुगुणा, डॉ. सुनीता नौटियाल, डॉ. सुषमा भट्ट थलेड़ी, डॉ.एस के आर्य, डॉ. डी.बी.सिंह सहित समस्त छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

अंतरविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल ने मारी बाजी

प्रतियोगिता का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि।

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (लोसा) के तत्वाधान में शहर के विद्यार्थियों की तर्क क्षमता, चिंतन व वाकक्षमता विकसित करने के उद्देश्य से आधुनिक युद्धः विज्ञान की उपलब्धि या मानवता के लिए संकट विषय पर अंतरविद्यालयी हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की संस्थापक पूर्व प्रधानाचार्या सुश्री वसुंधरा मायाकोटी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच को अपना आधार बनाएं। साथ ही हम सभी मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत रहे। विद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल, जीजीआईसी, कैंट बोर्ड हाई स्कूल तथा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक विद्यालय से पक्ष व विपक्ष में एक-एक वक्ता ने पुरजोर ढंग से अपनी बात का समर्थन किया। प्रतियोगिता के पक्ष में विद्यालय आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन की अनन्या अग्रवाल ने प्रथम, कैंट बोर्ड लैंसडौन के दिल बहादुर ने द्वितीय तथा जीजीआईसी लैंसडौन की सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि विपक्ष में एपीएस लैंसडौन के छात्र देवेन्द्र बिष्ट ने प्रथम, पीएम श्री केवी की छात्रा अक्षरा ने द्वितीय एवं कैंट बोर्ड हाई स्कूल लैंसडौन के मयंक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर लोसा के अध्यक्ष डॉ. एसपी नैथानी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि शहर के विद्यार्थी भविष्य में अपनी गुणवत्ता, नैतिकता के लिए जाने जाए। कहा कि आर्मी पब्लिक स्कूल शहर के विद्यार्थियों के विकास के लिए आवश्यकता पड़ने पर सदैव अपने समस्त संसाधनों के साथ एक सहयोगी संस्था के रूप में उभरकर सामने आया है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की छात्रा आकृति रावत एवं नंदिता गुप्ता ने किया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल, लोसा के अध्यक्ष डॉ. एस.पी नैथानी, लोसा सचिव अजय अग्रवाल, लक्ष्मी थापा, विमला डियूंडी, प्रशांत नेगी आदि मौजूद रहें।

जल संरक्षण के लिए निकाली जागरूकता रैली

जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, देवी रोड, पदमपुर की ओर से जल जीवन मिशन पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को जल के महत्व के प्रति जागरूक करना और इसके सतत उपयोग के लिए प्रेरित करना है। रैली का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश सिंह नेगी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को जल का महत्व बताते हुए कहा कि ह्नजल है तो जीवन हैह्व और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार गिरते जल स्तर को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। कहा कि जल को व्यर्थ न बहाएं क्योंकि जल भविष्य और जीवन है। यदि समय रहते जल संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में पानी का संकट गहरा सकता है। रैली के माध्यम से लोगों से अपील की गई कि वे दैनिक जीवन में पानी का संयमित उपयोग करें और हर बूंद की बचत करें। रैली में विद्यालय के शिक्षक एवं कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने आसपास के गांवों के मुख्य मार्गों पर ह्नजल है तो कल हैह्व जैसे नारों के साथ लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

मेहनत का मिला मानः पौड़ी के 21 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड परिषदीय परीक्षा वर्ष 2026 में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की श्रेष्ठता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले जनपद के मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में कलेक्ट्रेट सभागार में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में जनपद पौड़ी गढ़वाल के कुल 21 विद्यार्थियों (हाईस्कूल के 14 एवं इंटरमीडिएट के 7 छात्र-छात्राओं) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार का सम्मान न केवल प्रतिभाशाली छात्रों का उत्साहवर्धन करता है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता है। उन्होंने कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में आगे आना अत्यंत सराहनीय उपलब्धि है। जिलाधिकारी ने छात्रों को निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि ह्नअपना सर्वश्रेष्ठ देते रहें, आपकी सफलता ही आपकी

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया मेधावी छात्र को सम्मानित करते हुए।

पहचान बनेगी और वही दूसरों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त करेगी।ह्व जिलाधिकारी ने अभिभावकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों के करियर निर्माण में परिवार का सहयोग और मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रयास निरंतर किया जाए तो सीमित संसाधनों के बावजूद भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने अपने सपनों, संघर्षों और भविष्य की आकांक्षाओं को सहज और भावपूर्ण ढंग से साझा किया, जिससे पूरा सभागार गर्व और प्रेरणा से भर उठा। यह क्षण विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और पूरे जनपद के लिए एक गौरवान्वित करने वाला पल बन गया। कई छात्रों ने सीमित संसाधनों और चुनौतियों के बावजूद लक्ष्य के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिसमें उनके आत्मविश्वास और मेहनत की स्पष्ट झलक दिखायी दी। इस प्रेरक वातावरण में जिलाधिकारी ने उनका मार्गदर्शन करते हुए उनके उत्साह को नयी ऊर्जा प्रदान की। इस अवसर पर समग्र शिक्षा समन्वयक रीना रावत, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी विद्या शरण, प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुनियाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सीताराम पोखरियाल, राजकीय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भवान सिंह नेगी, पर्वतीय शिक्षक कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष संजय नेगी, समाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व पीटीए अध्यक्ष जगमोहन डांगी सहित पीएमश्री जीजीआईसी पौड़ी की छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक उपस्थित रहे।

निरंतर मूल्यांकन की पहल लायी रंग, बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुख्य शिक्षाधिकारी अत्रेश सयाना ने कहा कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे बेहतर परिणाम संभव हो सके। उन्होंने कहा कि बच्चों की मेहनत, शिक्षकों की प्रतिबद्धता और अभिभावकों के सहयोग से ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में जनपद का नाम रोशन करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए जिलाधिकारी के निर्देशन में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के तहत विद्यार्थियों का समय-समय पर मूल्यांकन किया गया। इस क्रम में नियमित मासिक परीक्षाएं आयोजित कर छात्रों की कमजोरियों को चिन्हित करने और उन्हें सुधारने का प्रयास किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले।

छात्र-छात्राओं ने साझा किए अनुभव

जनता इंटर कॉलेज पोखरीखेत की छात्रा महक ने कहा कि सफलता के लिए आत्मविश्वास और धैर्य आवश्यक है। जेपी इंटर कॉलेज कोटद्वार के छात्र सार्थक बुड़ाकोटी ने कहा कि नियमित अध्ययन और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। सतपुली के छात्र आयुष ने बोर्ड परीक्षा को चुनौती के रूप में स्वीकार करने और बिना भय के आगे बढ़ने की बात कही। वहीं पीएमश्री जीजीआईसी पौड़ी की छात्रा निहारिका ने कहा कि टॉप करने वाले विद्यार्थियों से प्रेरणा लेकर अन्य छात्र-छात्राएं भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

मार्ग सुधारीकरण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधारीकरण कार्यों के लंबित प्रस्तावों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यदायी संस्थाओं बीआरओ एवं एनएचआईडीसीएल द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित कार्यों की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गयी।

जिलाधिकारी ने बीआरओ के अधिशासी अभियंता को ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी क्षेत्र के मध्य मार्ग सुधारीकरण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी लंबित प्रस्तावों का संबंधित विभागों के समन्वय से त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने लंबित भूमि विवाद के प्रकरणो को उपजिलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र सुलझाने तथा कार्य प्रारंभ करने की बात कही। इसके अतिरिक्त उन्होंने भनेर पानी क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य हेतु आवश्यक ब्लास्टिंग की अनुमति लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, बीआरओ से अधिशासी अभियंता केटी राव, एनएचआईडीसीएल के अधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुनीता, आयुष और अंशिका रहीं प्रतियोगिता में अव्वल

नई टिहरी। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के विभागीय परिषद की ओर से छात्र–छात्राओं के बीच सांस्कृतिक, प्रश्नोत्तरी, पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सुनीता थापा, प्रश्नोत्तरी में आयुष शर्मा व पावर प्वाइंट प्रेजेंशन में अंशिका गौड़ अव्वल रहीं। प्राचार्य प्रो प्रणिता नंद ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक में सोनिका नेगी, सोनाली और साक्षी, प्रश्नोत्तरी में आदित्य, सोनू यादव और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में आयुष शर्मा, सिमरन चावला ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. नंद ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्र–छात्राओं को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। इस मौके पर आदित्य, धनेश मुखर्जी, आंचल, परवीन, स्वाती, कुणाल, सोनाली आदि मौजूद रहे।

सुरक्षा के लिए टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम ने किया सर्वे

उत्तरकाशी। टिहरी बांध की झील से प्रभावित चिन्यालीसौड़ क्षेत्र के मुख्य बाजार की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम सर्वे करने पहुंची। टीम ने झील के कटाव और भूस्खलन से बचाने के लिए बनाई गई करोड़ों की गैबियन वॉल का तकनीकी मूल्यांकन किया। साथ ही उसके प्रभावी उपचार के लिए नई कार्ययोजना तैयार करने के विकल्पों पर भी चर्चा की।

वर्ष 2018 में टीएचडीसी की ओर से बाजार क्षेत्र को झील के कटाव और भूस्खलन से बचाने के उद्देश्य से गैबियन वॉल का निर्माण कराया गया था जिससे लगभग 5 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत आई थी। समय के साथ इस सुरक्षा दीवार का करीब 20 मीटर हिस्सा जमीन में धंस गया जिससे स्थानीय लोगों और व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। इसी समस्या के समाधान के लिए मंगलवार को चिन्यालीसौड़ मुख्य बाजार में टीएचडीसी की विशेषज्ञ टीम की ओर से विस्तृत डिजाइन सर्वे किया गया। सर्वे का उद्देश्य धंसी हुई गैबियन वॉल की स्थिति का तकनीकी मूल्यांकन करना और उसके प्रभावी उपचार के लिए नई कार्ययोजना तैयार करना है।

सर्वे टीम में एजीएम डिजाइन आकाशदीप, जियोलॉजिस्ट मणि कंडन और सहायक प्रबंधक अंजली ओमार शामिल रहे। इस दौरान टीएचडीसी के उप प्रबंधक अतुल बहुगुणा ने बताया कि सर्वे के निष्कर्षों के आधार पर जल्द ही ठोस सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए जाएंगे।

डीएम ने दिये अभ्यर्थियों की सुविधा और परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने आगामी 03 मई को प्रस्तावित नीट-यूजी परीक्षा के सफल संचालन को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने एसडीएम चमोली एवं पुलिस उपाधीक्षक को ट्रैफिक रूट मैप तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, परीक्षा केंद्रों के आसपास पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने तथा किसी भी अभ्यर्थी के ट्रैफिक जाम में फंसने की स्थिति में उसे समय से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए तत्काल सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

डीएम ने परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश देते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की समुचित व्यवस्था, जैमर की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश नोडल अधिकारी पुष्पलता आर्या को दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाओं का पूर्व परीक्षण कर लिया जाए, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी या प्रबंधन संबंधी समस्या न हो। जिलाधिकारी ने अभ्यर्थियों की सहायता हेतु जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी के माध्यम से टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी करने और उसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, संवेदनशीलता बनाए रखने तथा परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अमित अग्रवाल निदेशक प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियालसैण सहित वर्चुअल माध्यम से एसडीएम चमोली आरके पांडे पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा जुड़े रहे।

प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियालसैण गोपेश्वर को बनाया गया परीक्षा केंद्र

चमोली : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा रविवार 03 मई को अपराह्न 02 से 05 बजे तक नीट–यूजी परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिसके लिए जनपद में एकल परीक्षा केन्द्र प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियालसैंण गोपेश्वर बनाया गया है। परीक्षा को सुव्यस्थित, नकलविहीन व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी गौरव कुमार के आदेशों के क्रम में परगना मजिस्ट्रेट चमोली राजकुमार पाण्डेय द्वारा परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि में धारा 163 लगायी गयी है। परीक्षा केन्द्र की 200 मीटर की परिधि के अन्तर्गत 05 से अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्र नहीं होंगे। परीक्षा केन्द्र में किसी व्यक्ति को सेलुलर फोन व पेजर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केन्द्र के आसपास ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग वर्जित रहेगा। एवं कोई भी व्यक्ति जुलूस, झांकी, जनसभा प्रदर्शन नहीं करेगा। कोई व्यक्ति परीक्षा केन्द्र के आसपास अस्त्र नही ले जाएगा। परीक्षा केन्द्र में साहित्य, प्रेसनोट, पम्पलेट व पोस्टर बैनर नहीं लगाए जाएंगे। यह आदेश परीक्षा शुरू होने की तिथि से सम्पन्न होने तक प्रभावी रहेगा।

अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु जिला प्रशासन ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

चमोली : आगामी 03 मई 2026 को आयोजित होने वाली यूजी–नीट परीक्षा को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं।

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर

बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा.

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्ज़ी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मैड्रिड ओपन में लगातार 9वीं जीत दर्ज की

मैड्रिड (एजेंसी)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव सोमवार रात मैड्रिड ओपन में दबाव के बावजूद डटे रहे; उन्होंने मैच के आखिरी पलों में आई थोड़ी सी मुश्किल का सामना करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी शानदार बढ़त को जारी रखा। दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मन खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच खत्म करने वाली सर्विस नहीं कर पाए, जब टेरेंस आत्मान ने मैच का पासा पलटने की कोशिश की, लेकिन ज़्वेरेव ने खुद को संभाला और 6-3, 7-6 (2) से जीत हासिल की।

मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में 1 घंटे 37 मिनट तक चले इस मैच में जीत के साथ, दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने इस टूर्नामेंट में अपने नौवें प्रयास में नौवीं बार अंतिम 16 में जगह बनाई है। 2025 सीजन की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रही थी-जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के फ़ाइनल तक का सफर शामिल था, लेकिन इंडियन वेल्स और मोंटे-कार्लो में उन्हें जल्दी ही बाहर होना पड़ा था-लेकिन 2026 में ज्वेरेव ने पूरी बाजी ही पलट दी है।

आत्मान पर मिली इस जीत के साथ एटीपी रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव, जानिक सिनर के साथ उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस सीजन के चारों मास्टर्स 1000 इवेंट्स में अंतिम 16 में जगह बनाई है। सिनर ने इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे-कार्लो में ज़्वेरेव के शानदार सफर को सेमीफ़ाइनल में ही रोक दिया था; लेकिन मैड्रिड में इन दोनों खिलाड़ियों का आमना-सामना तभी हो पाएगा, जब दोनों ही फाइनल में जगह बनाने में कामयाब होंगे। अगले मैच में ज्वेरेव का मुकाबला याकूब मेन्सिक से होगा, जिन्होंने अपने तीसरे मैच पॉइंट को भुनाते हुए कैरेन खाचानोव को हराया।

आईपीएल में बिगड़ रहा गेंद ओर बल्ले का संतुलन : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र के मुकाबले जारी है। साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही आईपीएल ने लगातार प्रगति करते हुए दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बनायी है। इस लीग में दुनिया भर के क्रिकेटर खेलते हैं। यह लीग अपनी गुणवत्ता और रोमांच मुकाबलों के कारण चर्चित रही है और इस पर प्रशंसकों का भरोसा बना हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सत्र से इस लीग में जिस प्रकार से बल्लेबाज हावी होने लगे हैं। उससे इसका संतुलन खराब हो रहा है। अब लगाता है कि यह लीग अब बल्लेबाजों का स्वर्ग बन गयी है। इसमें गेंदबाजों की भूमिका सीमित होती जा रही है। इसका कारण कई नियम है जो गेंदबाजों के खिलाफ जाते हैं। प्रायोजक बड़े स्कोर वाले मैच चाहते हैं जिससे की प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा रहे।

इस सत्र में कई ऐसे मैच देखने को मिले हैं, जो खेल के संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ चुके हैं। हाल ही में एक ही दिन में 464 गेंदों में 985 रन बने। यहां तक कि 265 और 228 जैसे बड़े लक्ष्य भी टीमें आसानी से हासिल कर रही हैं। यह इस बात को दिखाता है कि अब कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है। गेंदबाज अब सिर्फ चौके-छक्के खाने के लिए गेंद फेंकते नजर आ रहे हैं, उनकी भूमिका मैदान पर केवल औपचारिकता पूरी करने तक ही रह गयी है।

इसी कारण कई क्रिकेट विशेषज्ञ खेल को लेकर खुश नहीं है। जसपीत बुमराह, पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड, अर्शदीप सिंह या जोफ्रा आर्चर जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों को भी ऐसे चौके-छक्के पड़ रहे हैं, जैसे वे किसी स्थानीय टीम के गेंदबाज हों। अठारह गेंदों में अर्धशतक बनाना अब आम बात हो गयी है।

वहीं लीग की सफलता का आधार हमेशा बल्ले और गेंद के बीच संतलुन बना रहना माना जाता है। ऐसे में अब किकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मामले को देखते हुए इसका हल निकालने पर गंभीरत से विचार करना होगा। ये देखना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी संतुलन बना रहे अभी सभी नियम बल्लेबाजों के पक्ष में जा रहे हैं। पावरप्ले को लेकर भी फैसला लेना होगा। इसमें अभी सबसे अधिक रन बन रहे हैं।

स्मृति मंधाना नई महिला टी20 रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसकी, दीप्ति चौथे स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी आईसीसी की नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गईं जबकि ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर शामिल हैं जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न श्रृंखला में 169 रन बनाने के बाद एक स्थान के फायदे से 646 अंक के साथ फिर से शीर्ष 10 में शामिल हो गई हैं। वहीं ऋचा घोष दो स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं और उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 786 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब वह दूसरे स्थान पर मौजूद बेथ मूनी से सिर्फ दो रेटिंग अंक पीछे हैं। जॉर्जिया वोल 815 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। वोलवार्ट ने

56 गेंद में नाबाद 92 रन बनाकर भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला का अंत 330 रन के साथ किया जो किसी भी महिला द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला में किसी एक खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। उनकी टीम ने श्रृंखला 4-1 से जीती। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

इस सूची में पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल शीर्ष पर बनी हुई हैं जबकि टी20 विश्व कप से पहले भारत की ऑलराउंडर दीप्ति और दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नॉनकुलुलेको मलाबा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारत की युवा खिलाड़ी श्री चरणी ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। बेनोनी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के अंतिम मैच में दो विकेट लेने के बाद बाएं हाथ की यह गेंदबाज 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 11वें पायदान पर हैं।

बांग्लादेश की श्रीलंका के साथ घरेलू श्रृंखला के समापन के बाद नई एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। नवीनतम रैंकिंग में घरेलू टीम की कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। बांग्लादेश की अनुभवी जोड़ी निगार सुल्ताना (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर) और शोभना मोस्तरी (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 45वें स्थान पर) ने एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है जबकि नाहिदा अख्तर (दो स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर) और मारूफा अख्तर (छह स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर) एकदिवसीय गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़ने में सफल रही हैं।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एकदिवसीय ऑलराउंडर की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर और गेंदबाजों की रैंकिंग में सात स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप 34वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। टीम की उनकी साथी हर्षिता समरविक्रमा (तीन स्थान के फायदे से संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर) को भी बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

आईपीएल में पहले शतक के लिए विराट को करना पड़ा था आठ साल इंतजार

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली आज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं पर उन्हें भी अपना पहला शतक बनाने के लिए 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा था। विराट ने शुरुआत से अभी तक के सभी आईपीएल सत्र खेले हैं। इससे उनके नाम आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन, सबसे ज़्यादा अर्धशतक और शतक होने के साथ ही सबसे अधिक चौके भी हैं। इसके अलावा 300 से अधिक छक्के भी उनके नाम हैं हालांकि इसके बाद भी वह शुरुआती सत्रों में शतक नहीं लगा पाये थे। पहला शतक लगाने के बाद कोहली लगातार आगे बढ़ते गये हैं। विराट अपनी को पावर हिटिंग की जगह पर पारंपरिक अंदाज में खेलने के लिए जाना जात है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि टी20 प्रारुप में शतक लगाने के लिए केवल छक्कों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि क्रिकेट कौशल की जरुरत है। ऐसा नहीं था वहीं रन रन नहीं बना पा रहे थे। वह अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल दोनों स्तरों पर लगातार बड़ी पारियां खेल रहे थे पर उसे शतक में नहीं बदल पा रहे थे। उनका पहला शतक साल 2016 में आया। तब टीम का मुकाबला गुजरात लायंस से था। उस मैच में हालांकि विराट के शतक के बाद भी आरसीबी को हार झेलनी पड़ी। इसी सत्र में उन्होंने 973 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। अब तक, विराट के नाम आईपीएल में 8 शतक हैं, जो लीग के इतिहास में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक हैं। वहीं उनके नाम 9,000 से अधिक रन हैं।

अंगुली के स्पिन कौशल को बढ़ा रहे क्रुणाल पांड्या : कार्तिक

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच और मेंटर दिनेश कार्तिक ने ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार वह अंगुली के स्पिन कौशल को आगे बढ़ा रहे है। उसके लिए उन्हें श्रेय मिलना ही चाहिये। इस प्रकार के गेंदबाजी कौशल को उनके जैसे गेंदबाजों के कारण ही पहचान मिल रही है। कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजों के मन में संदेह पैदा करने और लगातार बेहतर परिणाम देने की क्रुणाल की जबरदस्त क्षमता यह साबित करती है कि एक ऑलराउंडर के तौर पर उनमें कितना सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्रुणाल का यह प्रभाव दिखाता है कि आईपीएल में किस प्रकार से खेल को नये आयाम मिल रहे हैं और उसमें बदला आ रहा है। क्रुणाल की सराहना करते हुए कार्तिक ने कहा, क्रुणाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें यह खेल लंबे समय तक याद रखेगा। वह जिस प्रकार से अंगुली के स्पिनरों के लिए बनी तय सीमाओं को लगातार चुनौती दे रहे हैं और ऐसी गेंदें फंक रहे हैं जिनकी कुछ साल पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी, उसके लिए उनकी तारीफ होनी ही चाहिये। कार्तिक के अनुसार, क्रुणाल अपनी कला में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्हें भली-भांति पता है कि बल्लेबाजों के मनोविज्ञान को समझते हुए अपनी विविधताओं का उपयोग कब करना है, और अधिकांश अवसरों पर उन्हें इसका अपेक्षित लाभ भी मिलता है, जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहते हैं। कार्तिक ने साथ ही कहा कि एक ऑलराउंडर के रूप में क्रुणाल में जिस तरह का सुधार आया है, । उसका बहुत सारा श्रेय उन्हीं को मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिस तरह आईपीएल क्रिकेट का आकार बदल रहा है और उसे एक नई दिशा दे रहा है, ठीक उसी तरह अंगुली के स्पिनर भी यही कर रहे हैं। कुणाल ने आरसीबी के लिए अब तक सात मैचों में आठ विकेट लिए हैं, जो उनकी गेंदबाजी में निरंतरता और प्रभाव को दिखाता है।

क्रुनाल ने अपनी सफलता का श्रेय कोच रंगराजन को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर कृणाल पंड्या ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छे प्रदर्शन का श्रेय स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को दिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले कृणाल ने अपनी गेंदबाजी में आए बड़े बदलाव का श्रेय कोच को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रंगराजन के भरोसे के कारण ही वह मैदान पर नए प्रयोग कर पाये। इसके अलावा कोच ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी, जिससे उनकी गेंदबाजी में एक घातक निखार आया है।

कृणाल ने बताया कि आईपीएल के पिछले दो सीजन में उनकी गेंदबाजी में जो जबरदस्त सुधार देखा गया है, उसके पीछे कोच रंगराजन का निरंतर समर्थन है। आरसीबी से जुड़ने के बाद उनकी भूमिका में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया। उन्हें सिर्फ गेंद डालने वाले गेंदबाज के बजाय विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में जिम्मेदारी दी गई, जिसने उन्हें बाउंसर को फेंकने के लिए प्रेरित किया। यह एक ऐसा कदम था जो आमतौर पर स्पिनरों के लिए आम नहीं माना जाता।

इस आईपीएल में अपनी तेज बाउंसर गेंदों से बल्लेबाजों को लगातार परेशान करने वाले कृणाल ने बताया कि उनकी ये बाउंसर केवल दिखावे के लिए नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे एक ठोस सोच और गहरी योजना होती है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन के बाद, वे मानसिक रूप से बल्लेबाज से एक कदम आगे रहने के लिए अपने खेल में कुछ नया जोड़ना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने बाउंसर और लो-आर्म ट्राजेक्टरी वाली गेंदें डालना शुरू किया, जो विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ भी बेहद कारगर साबित हुई हैं। कृणाल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और यह प्रयोग उनके लिए काफी सफल रहा है।

कृणाल ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्पिनर के लिए बाउंसर डालना आसान नहीं है और इसके लिए असाधारण शारीरिक फिटनेस की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया, कम रन-अप में इतनी गति और उछाल लाना वास्तव में कठिन होता है। उन्होंने यह भी साझा किया कि वह अभ्यास सत्र में बाउंसर का ज्यादा अभ्यास नहीं करते, क्योंकि इसमें काफी मेहनत लगती है और वह खुद को फिट व तरोताजा रखने के लिए इसे सीधे मैच में ही इस्तेमाल करना पसंद करते हैं।

इसी अवसर पर, कृणाल पंड्या ने टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को आईपीएल में 9000 रन पूरे करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई भी दी। कोहली इस प्रतिष्ठित लीग में यह मील का पत्थर छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 275 मैचों और 267 पारियों में 40.05 की प्रभावशाली औसत से यह कारनामा किया है।

वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

नई दिल्ली। 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे यह पूछना कि वह वैभव सूर्यवंशी के बारे में क्या सोचती हैं, उनके और उनके खेल के साथ अन्याय है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भारत में ओलंपिक खेलों और उनके सितारों को क्रिकेट के बराबर सम्मान और पहचान मिल पाती है, या नहीं।

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर बाधा डालने के आरोपों के बाद रैंकिंग प्रतियोगिता के लिए किया पंजीकरण

नई दिल्ली। भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने मंगलवार को पुष्टि की कि उन्होंने गोंडा में होने वाले आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए सफलतापूर्वक पंजीकरण कर लिया है। उन्होंने इससे पहले आरोप लगाया था कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) उनकी भागीदारी में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। उनके देर से पंजीकरण को लेकर पैदा हुई भ्रम की स्थिति के बीच यह स्पष्टीकरण सामने आया है। WFI का कहना था कि पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण केवल विनेश ही नहीं, बल्कि कई पहलवान शुरुआत में प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे। बाद में लिंक उपलब्ध होने पर विनेश अपना पंजीकरण कराने में सफल रहीं। विनेश ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा पंजीकरण आज सुबह पूरा हो गया। कल लिंक बंद होने के कारण मैं पंजीकरण नहीं कर पाई थी। सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं।' विनेश ने कहा कि पंजीकरण आज सुबह ही पूरा हो सका, जबकि डब्ल्यूएफआई से मिली जानकारी के अनुसार उनका पंजीकरण सोमवार रात 10:29 बजे पूरा हो गया था। विनेश 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित होने के बाद यह उनकी पहली प्रतियोगिता होगी। उन्होंने इससे पहले संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए अपना फैसला बदल दिया। वह अक्टूबर 2024 में हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गईं और इसी दौरान मां भी बनीं।

आईपीएल 2026 : भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा, ऑरेंज कैप की रेस हुई दिलचस्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (DC) को उनके IPL 2026 घरेलू मुकाबले में 75 रन पर ऑलआउट कर दिया। गेंद के साथ RCB के शानदार प्रदर्शन के चलते पर्पल कैप लीडरबोर्ड में नया लीडर सामने आया। मैच में सिर्फ 152 रन बने, लेकिन फिर भी ऑरेंज कैप की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड

भुवनेश्वर कुमार ने DC के खिलाफ 3-0-5-3 के आंकड़े दर्ज किए जिसमें उनके तीनों विकेट पावरप्ले में आए और RCB ने DC को 81 गेंद शेष रहते 9 विकेट से रौंद दिया। इसके साथ ही भुवनेश्वर अब पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अंशुल कंबोज और इशान मलिंगा की तरह भुवनेश्वर के भी 14 विकेट हैं लेकिन उनका औसत 16.85, उन्हें कंबोज (16.92) और मलिंगा (18.21) से आगे ले गया। RCB के बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पांड्या ने DC के खिलाफ एक विकेट लेकर शीर्ष 10 विकेट लेने वालों की सूची में जगह बनाई। उनके अब 9 विकेट हैं, जो कि कार्तिक त्यागी, जेमी ओवटर्न और वैभव अरोड़ा के बराबर हैं, लेकिन उनका औसत (26.55), अन्य तीनों से बेहतर है।

जॉश हेजलवुड ने भी भुवनेश्वर का साथ देते हुए पावरप्ले में तीन विकेट झटके, जिससे डीसी का स्कोर IPL इतिहास के सबसे खराब पावरप्ले स्कोर 13/6 तक पहुंच गया। बाद में उन्होंने एक और विकेट लिया और 3.3-0-12-4 के आंकड़े के साथ मैच ख़त्म किया। उनके विकेटों की संख्या अब दोगुनी होकर आठ हो गई है और वह 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑरेंज कैप

विराट कोहली ने दिल्ली में 76 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 23 रन बनाए और IPL में 9000 रन पूरे किए। इस पारी के साथ वह ऑरेंज कैप की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके 351 रन हैं, जबकि औसत 58.50 का है। कोहली अब वैभव सूर्यवंशी से सिर्फ छह रन पीछे हैं, जबकि सूर्यवंशी, खुद केएल राहुल से केवल एक रन पीछे हैं।

डीसी के सलामी बल्लेबाज राहुल ने RCB के

खिलाफ सिर्फ एक रन बनाया, लेकिन इतना ही उन्हें सूर्यवंशी से आगे ले जाने और 358 रन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए काफी था। ऑरेंज कैप की रेस में अब भी सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं, जिनके 380 रन हैं और उनका औसत 54.28 है।

दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे हुए मैच

नई दिल्ली। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन उतार चढ़ाव से भरा रहा है। टीम को लगातार दो करारी हार झेलनी पड़ी है। वह अपनी 8 में से 5 मैच हार गयी है और केवल 3 में जीत के साथ ही 6 अंकों लेकर सातवें नंबर पर है। ऐसे में टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर आशंकाएं लगायी जा रही हैं हालांकि उसकी संभावनएं अभी समाप्त नहीं हुई हैं। टीम के अभी 6 मैच बचे हुए हैं और वह उन सभी में जीत जाती है तो सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इससे उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो उसके कुल अंक 16 तक पहुंच जाएंगे। इससे भी उसे प्लेऑफ्स में जगह मिल सकती है पर उसे नेट रन रेट बेहतर बनाये रखना होगा।

वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स अपने बाकी बचे 6 मैचों में से दो या उससे अधिक मुकाबले गंवा देती है, तो उसके लिए प्लेऑफ्स में पहुंचना लगभग असंभव हो जाएगा। इसका कारण ये है कि 14 या उससे कम अंकों वाली टीमों को आमतौर पर प्लेऑफ्स में जगह नहीं मिलती है। इस स्थिति में नेट रन रेट भी देखा जाता है जो दिल्ली के लिए काफी खराब चल रहा है। अभी 6 अंक होने लेकिन नेट रन रेट बेहतर होने के कारण चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में छठे स्थान पर है, वहीं दिल्ली खराब नेट रन रेट के कारण सातवें स्थान पर है। ऐसे में, दो या अधिक हार दिल्ली से दिल्ली नेट रन रेट के कारण प्लेऑफ के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर हो जाएगी।